मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 15 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 11 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 125, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ नहीं थम रहा बंगलादेश में हिन्दुओं की हत्या का दौर

हिंदी सिनेमा में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुई रानी मुखर्जी नही थम रहा बंगलादेश में हिन्दुओं की हत्या का दौर ◀◀ 6

गुमला-रांची मुख्य मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

हाईवा ने पिकअप वैन को मारी टक्कर, चार की मौत, दो घायल

मेट्रो रेज

रांची : गुमला-रांची मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर गुरुवार की अहले सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। भरनो थाना क्षेत्र के गड़गांव के पास तेज रफ्तार हाईवा की टक्कर से पिकअप वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

तिलकुट बेचने रांची जा रहे थे लोग: मिली जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन में सवार सभी लोग तिलकुट बेचने के लिए रांची की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हाईवा वाहन ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर हालत में सड़क पर पड़े मिले।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया: वारदात की सूचना मिलते ही भरनो थाना की पुलिस स्पॉट पर पहुंची। जख्मियों को एंबुलेंस से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची रेफर करने की तैयारी की जा रही है। **हाईवा ड्राइवर फरार, तलाश जारी:** दुर्घटना के बाद हाईवा ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात बहाल कराया और अज्ञात हाईवा की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर जांच की जा रही है।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए: पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं, स्थानीय लोगों ने एनएच-23 पर तेज रफ्तार भारी वाहनों की आवाजाही और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

पेयजल विभाग के क्लर्क से मारपीट मामले में जांच करने ईडी ऑफिस पहुंची झारखंड पुलिस

अधिकारियों पर पूछताछ के नाम पर मारपीट का आरोप, सेंट्रल फोर्स के जवान बुलाए गए

रांची : रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर एक क्लर्क के साथ मारपीट का गंभीर आरोप सामने आया है। मामले की जांच और सबूत जुटाने के लिए एयरपोर्ट थाना पुलिस भारी संख्या में ईडी कार्यालय पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

क्लर्क ने लगाए गंभीर आरोप: पेयजल विभाग में कार्यरत क्लर्क संतोष कुमार ने ईडी अधिकारियों पर पूछताछ के दौरान मारपीट करने का आरोप लगाया है। संतोष का कहना है कि पूछताछ के नाम पर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उसका सिर फोड़ दिया गया। इस मामले को लेकर एयरपोर्ट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एफआईआर के अनुसार, 12 जनवरी को संतोष कुमार को फोन कर पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय बुलाया गया था। तय समय पर वह ईडी कार्यालय पहुंचा, जहां पूछताछ के दौरान उस पर जुर्म कबूल करने का दबाव बनाया गया।

जुर्म कबूल न करने पर पिटाई का आरोप: शिकायत में कहा गया है कि जब संतोष ने किसी भी तरह का अपराध स्वीकार करने से इनकार किया, तो ईडी अधिकारियों प्रतीक और शुभम ने डंडे से उसकी पिटाई की। मारपीट में उसका सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। संतोष कुमार ने आरोप लगाया है कि उसे जान से मारने और अपराध कबूल नहीं करने पर उसके परिवार के सदस्यों को जेल भेजने की धमकी दी गई। मारपीट के बाद संतोष को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके सिर में छह टांके लगाए। प्राथमिकी में कहा गया है कि इलाज के बाद, बार-बार मना करने के बावजूद उसे फिर से ईडी कार्यालय ले जाया गया। थाना प्रभारी करेंगे जांच: यह भी आरोप है कि ईडी कार्यालय में उसे मारपीट की घटना के बारे में किसी को न बताने की हिदायत दी गई और रात करीब 10 बजे के बाद उसे छोड़ा गया। पुलिस ने बताया है कि इस मामले की जांच थानेदार स्वयं करेंगे। सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भीषण सड़क हादसा: पिकअप वैन और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर में 5 की मौत, 10 घायल

नई दिल्ली : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जिले के बेरसिया थाना क्षेत्र में उस समय हुआ, जब एक पिकअप वैन और ट्रैक्टर ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार लोग मकर संक्रांति के अवसर पर नर्मदापुरम में पवित्र स्नान कर वापस लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

बेरसिया थाना प्रभारी विजेंद्र सेन ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वैन में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं। हादसे में दोनों वाहनों में सवार कुल 10 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल के हमीदिया अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पाकिस्तान समेत 75 देशों के लिए वीजा सर्विस रोकेंगे ट्रंप, लिस्ट में भारत के 6 पड़ोसी

वॉशिंगटन डीसी : अमेरिका ने 21 जनवरी से 75 देशों के नागरिकों के लिए वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने का फैसला किया है। इस सूची में पाकिस्तान और बांग्लादेश सहित भारत के छह पड़ोसी देश भी शामिल हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्णय अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक आंतरिक मेमो के आधार पर लिया गया है। इस कदम का उद्देश्य अमेरिका आने वाले विदेशी नागरिकों की संख्या को सीमित करना बताया गया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि वह अब अपनी कानूनी शक्तियों का इस्तेमाल करेगा, जिसके तहत ऐसे लोगों को वीजा देने से इनकार किया जा सकता है, जिनके बारे में आशंका हो कि वे अमेरिका पहुंचने के बाद सरकारी सहायता या वेलफेयर योजनाओं पर निर्भर हो सकते हैं।

इस फैसले के तहत अमेरिकी दूतावासों और कांसुलर अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जांच और सत्यापन प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा पूरी होने तक वीजा आवेदनों को खारिज किया जाए। यह रोक कितने समय तक लागू रहेगी, इस बारे में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन इमिग्रेशन सिस्टम के दुरुपयोग को खत्म करना चाहता है और उन लोगों को रोकना चाहता है जो अमेरिकी करदाताओं के पैसे का गलत फायदा उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इन 75 देशों के लिए इमिग्रेंट वीजा की प्रक्रिया तब तक स्थगित रहेगी, जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि सार्वजनिक लाभ लेने वाले लोगों की एंट्री को कैसे रोका जाए।

हालांकि, इस फैसले का असर टूरिस्ट, बिजनेस या अन्य अस्थायी वीजा पर नहीं पड़ेगा। इसमें इस साल आयोजित होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप को देखने अमेरिका आने वाले दर्शक भी शामिल हैं। इसके बावजूद ट्रम्प प्रशासन ने सभी वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच करने की बात कही है।

हिमाचल : घर में आग लगने से 6 लोग जिंदा जले, शॉर्ट सर्किट के बाद फटा सिलेंडर, पालतू पशु भी मरे

सिरमौर : हिमाचल के सिरमौर में बीती रात एक घर में भीषण आग लगने से 6 लोग जिंदा जल गए। एक व्यक्ति को घायल अवस्था में रेस्क्यू किया गया। घायल को राजगढ़ अस्पताल रेफर किया गया है। इसकी पुष्टि रउ्द संगड़ाह सुनील हादसा नौहराधार के तलांगना गांव में बीती मध्य रात्रि का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट से भड़की। इससे घर पर रखा एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिससे आग ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में कुछ पालतू पशु भी जिंदा जल गए। आग लगने के बाद मकान पूरी तरह जलकर राख हो गया। एसडीएम संगड़ाह सुनील कायथ ने बताया कि अग्निकांड की सूचना के बाद वह घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने बताया कि आग अब कंट्रोल है। राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए है। जिस जगह यह हादसा हुआ है, वह अति दुर्गम क्षेत्र है। वहां मोबाइल सिंग्नल भी मौजूद नहीं है। इससे हादसे की पूरी जानकारी नहीं मिल पा रही है।

आई-पैक रेड मामला: सुप्रीम कोर्ट में ईडी का बड़ा आरोप-

'ममता बनर्जी ने पुलिस के साथ मिलकर की चोरी',खुलासे के बाद मचा हड़कंप

नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल में केंद्रीय एजेंसियों और राज्य सरकार के बीच जारी खींचतान अब देश की सबसे बड़ी अदालत की दहलीज पर है। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद छापेमारी वाली जगह पहुंचकर जांच में बाधा डाली और महत्वपूर्ण सबूतों को 'जब्त' कर लिया।

सॉलिसिटर जनरल के गंभीर आरोपः सुप्रीम कोर्ट में ईडी का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने चौंकाने वाले दावे किए। उन्होंने अदालत को बताया कि 8 जनवरी को जब ईडी की टीम आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन के आवास और दफ्तर पर कोयला घोटाले से जुड़ी छापेमारी कर रही थी, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वहां पहुंच गईं। आरोप है कि उन्होंने राज्य पुलिस बल का इस्तेमाल कर जांच अधिकारियों के लैपटॉप, मोबाइल फोन और अहम दस्तावेज जबरन छीन लिए। ईडी ने इसे आधिकारिक तौर पर 'साक्ष्यों की चोरी' करार दिया है। बड़े पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने की मांगः ईडी ने अपनी दलील में कहा कि राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल केंद्रीय एजेंसियों को रोकने के लिए एक 'पैटर्न' की तरह किया जा रहा है। जांच एजेंसी ने अदालत से मांग की है कि पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार और कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा को तुरंत निलंबित किया जाए। इन अधिकारियों के खिलाफ जांच में बाधा डालने और साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने के आरोप में एफआईआर दर्ज हो।

दूसरी ओर ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 'केविएट' दाखिल की है, ताकि उनका पक्ष सुने बिना कोई एकतरफा आदेश पारित न हो। मुख्यमंत्री का कहना है कि ईडी उनकी पार्टी की चुनावी रणनीतियों और डेटा को चुराने की कोशिश कर रही थी, जिसे रोकना उनका अधिकार है।

महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों पर वोटिंग जारी, मुंबई में 9 साल बाद हो रहा चुनाव, मतदान केंद्रों पर लगी लाइनें

मुंबई : महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में आज वोट डाले जा रहे हैं। सुबह 7:30 बजे से मतदान शुरू हो गया है जो शाम 5:30 बजे तक चलेगा। शुक्रवार को इसका रिजल्ट आएगा। सबसे अहम बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) है जहां 2017 के बाद 227 सीटों पर चुनाव हो रहा है। यहां बहुमत के लिए 114 का आंकड़ा जरूरी है।

बीएमसी की 227 सीटों में से 32 सीटों पर बीजेपी -शिवसेना गठबंधन और शिवसेना (यूबीटी)-महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बीच सीधा मुकाबला है। यह स्थिति इसलिए बनी है क्योंकि कांग्रेस-बहुजन वंचित अघाड़ी (वीबीए) गठबंधन ने इन सीटों पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। वहीं राज-उद्धव ठाकरे साथ चुनाव लड़ रहे हैं। पुणे में एनसीपी अकेले चुनाव लड़ रही है।

वहीं पोलिंग बूथों पर सुबह से ही लोगों की भीड़ नजर आई। आरएसएस चीफ मोहन भागवत, बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार, सचिन तेंदुलकर ने वोट डाला। सभी ने जनता से वोट डालने की अपील की। बीएमसी चुनाव में कुल 227 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। भाजपा- शिवसेना (शिंदे गुट) में गठबंधन हैं। बीजेपी 137 सीटों पर लड़ रही है वहीं शिंदे की शिवसेना ने 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। उधर शिवसेना यूबीटी ने मनसे के साथ अलांयस किया है। यूबीटी जहां 163 सीटों पर लड़ेगी वहीं टठर को 52 सीट मिली हैं। कांग्रेस ने वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) से गठबंधन किया है। कांग्रेस 143 सीटों पर लड़ रही है वहीं वीबीए को 46 सीट दी गईं हैं। एनसीपी ने किसी के साथ हाथ नहीं मिलाया।

समाचार सार

धमाके से दहला हजारीबाग, दंपती सहित तीन लोगों की मौत, मची अफरा-तफरी

हजारीबाग: जिले के हबीबी नगर इलाके में बुधवार को हुए विस्फोट में एक दंपती समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के कारण का तत्काल पता नहीं चल सका है और फोरेंसिक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया है। सदर पुलिस थाने के एसडीपीओ अमित कुमार आनंद ने कहा, हबीबी नगर में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी समेत तीन लोगों की मौत हो गई है।

झारखंड पुलिस के प्रवक्ता माइकल राज एस ने कहा, विस्फोट की प्रकृति और प्रकार का पता लगाने के लिए फोरेंसिक और तकनीकी टीमें घटनास्थल पर भेजी गई हैं। जांच पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।" विस्फोट शाम करीब चार बजे हुआ जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल एक व्यक्ति की इलाज के दौरान शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में मौत हो गई।

मृतकों की पहचान सद्दाम और उनकी पत्नी नन्ही परवीन और रशीदा परवीन के रूप में हुई है। वर्ष 2016 में भी हबीबी नगर में बम बनाने के दौरान कथित तौर पर चार लोगों की मौत हो गई थी।

मकर संक्रांति पर हजारों श्रद्धालुओं ने स्वर्णरेखा नदी में किया स्नान

सिल्ली: मकर संक्रांति के मौके पर बुधवार को मुरी में स्वर्णरेखा नदी घाट पर सैकड़ों लोगों ने मकर स्नान किया। मुरी सिल्ली, तुलीन, झालदा सहित झारखंड एवं बंगाल के इलाकों से लोगों ने नदी घाट पर पवित्र डुबकी लगायी। मकर संक्रांति के मौके पर विधिवत पूजन के बार लोगों ने नदी घाट पर ही दही चूड़ा, मुड़ी, लाई, तिलकुट आदि का सेवन किया। झारखंड और बंगाल के बीच स्थित स्वर्णरेखा नदी के दोनों ओर हजारों लोगों की भीड़ लगी रही। मौके पर मकर मेले का भी आयोजन किया गया। मकर स्नान के बाद लोगों ने मेले का भी आनंद लिया। नदी के आर-पार जाने के लिए एक लकड़ी का पुल भी बनाया गया। मेले में तरह-तरह की दुकान, झूला आदि मेले का आकर्षण रहा। इस दौरान मुरी पुलिस, तुलीन की बंगाल पुलिस एवं हिंडालको के सुरक्षा कर्मियों ने व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

भारत माता अस्पताल मुरी में नर्सिंग ट्रेनिंग स्कूल का उद्घाटन व सांस्कृतिक कार्यक्रम

मुरी: भारत माता अस्पताल सिंगपुर मुरी में नर्सिंग ट्रेनिंग का उदघाटन एंव सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। रांची से आए फादर बिशप डॉ विंसेंट ने प्रभु का ध्यान किया और उसके शरण में आने वाले के लिए आशीर्वाद मांगा। अतिथियों का स्वागत हेतु प्रार्थना, राष्ट्रीय गान एवं नित्य संगीत द्वारा विभिन्न प्रकार के एक से बढ़कर प्रस्तुति दी गई। मौके पर अस्पताल के निर्देशक कृपा पॉल तथा प्रिंसिपल सिस्टर शीतल ने वर्ष की शुभकामनाएं दिए एवं अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अस्पताल को हर संभव सरकार की ओर से मदद करने का बात कही तथा यहां की कार्य प्रणाली की सराहना की। सत्र 2025-26 के पहला बैच का तीन साल की पढाई है। जिसमें अभी तक में चालीस स्टुडेंट्स नमांकण कराए है। मुरी ओपी, सिल्ली प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, सविता रानी, नागेंद्र नाथ गोस्वामी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विवेक कुमार, सिंगपुर नर्सिंग होम के डॉक्टर रमनेश प्रसाद, समेत कई गणमान्य लोग उपस्थिति थे।

तापमान में गिरावट आने की संभावना

रांची : झारखंड में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की हल्की बढ़ोतरी जरूर दर्ज की गई, लेकिन यह राहत ज्यादा देर तक रहने वाली नहीं है। राज्य के लगभग सभी जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास पहुंच गया, हालांकि गुमला सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में एकाएक गिरावट आने की संभावना है। विभाग ने चेतावनी दी है कि तापमान 4 डिग्री तक गिर सकता है, जिससे राज्य में कड़ाके की ठंड और तेज शीतलहर का असर साफ तौर पर महसूस होगा। खासकर सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ने की आशंका है। मौसम विभाग ने बताया है कि 13 जनवरी से 17 जनवरी तक झारखंड में जबरदस्त शीतलहर चलेगी। इस दौरान कई जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा और तापमान में 4 से 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। 13 जनवरी को रांची, खूंटी, पलामू, हजारीबाग, रामगढ़, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़ और सरायकेला-खरसावां में ठंड का असर ज्यादा रहने की संभावना है। इन जिलों में न्यूनतम तापमान 2 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। ठंड और शीतलहर को देखते हुए मौसम विभाग ने झारखंड के 12 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें रांची, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, पलामू, रामगढ़, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, चतरा, गढ़वा और गुमला शामिल हैं। मौसम विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने की अपील की है।

झारखंड बोर्ड परीक्षा 2026 का शेड्यूल जारी

3 फरवरी से 10वीं-12वीं परीक्षाएं, तैयारियां पूरी

संवाददाता

रांची: झारखंड में 10वीं और 12वीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षाएं तीन फरवरी 2026 से शुरू होंगी। इस संबंध में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने आधिकारिक डेटशीट जारी कर दी है। मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा 3 फरवरी से 17 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी, जबकि इंटर (12वीं) की परीक्षा 3 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस बार भी परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 1:45 बजे से शाम 5 बजे

तक होगी। पूरा परीक्षा शेड्यूल झारखंड एकेडमिक काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है। जैक ने यह भी जानकारी दी है कि 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के एडमिट कार्ड जनवरी 2026 में स्कूलों के माध्यम से विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समय पर छात्रों को एडमिट कार्ड वितरित करें और परीक्षा संबंधी दिशानिर्देशों की जानकारी दें। राज्य के हजारों विद्यालयों में छात्र-छात्राएं अब अपनी परीक्षा तैयारी के अंतिम चरण में हैं। शिक्षक छात्रों को मॉडल प्रश्नपत्रों और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के माध्यम से अभ्यास करा रहे हैं। इसके अलावा, जैक की ओर से पहले ही मॉडल पेपर जारी किए जा चुके हैं ताकि विद्यार्थी परीक्षा पैटर्न और सवालों के प्रकार से परिचित हो सकें।

काउंसिल ने छात्रों से अपील की है कि वे परीक्षा केंद्र समय पर पहुंचें और निर्धारित ड्रेस कोड एवं अन्य दिशा-निर्देशों का पालन करें। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। राज्यभर में करीब 1,200 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ सुरक्षा और निगरानी की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जेसीआई ने किया अपने कम्यूनिटी प्रोजेक्ट खुशियों का संदूक का सफल आयोजन

संवाददाता

रांची: जेसीआई रांची द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 14 जनवरी 2026 को अपने पहले कम्युनिटी प्रोजेक्ट खुशियों का संदूक का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक खुशियाँ पहुँचाना एवं सेवा भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर जेसीआई रांची द्वारा सिलाई मशीन, कंबल, ऊनी वस्त्रों का वितरण, गौ-सेवा तथा बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को सहयोग प्रदान किया गया, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में जेसीआई रांची के अध्यक्ष जेसी अभिषेक जैन, सचिव जेसी साकेत अग्रवाल सहित प्रतीक जैन, देवेश जैन, अनुभव अग्रवाल, निखिल मोदी, ऋषभ छपरिया, केशु जैन एवं प्रतीक अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मिलकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया। जेसीआई रांची भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक एवं सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के विकास हेतु निरंतर प्रयास करता रहेगा। उक्त जानकारी जेसीआई रांची के प्रवक्ता रवि समोटा ने दी।

श्री शिव दुर्गा मंदिर में हुए भंडारे में निपु सिंह हुए शामिल

रांची: रातू रोड मेट्रो गली के सामने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर शिव दुर्गा मंदिर में भंडारा किया गया। इस मौके पर हजारों से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और शिव भोले और मां दुर्गा से आशीर्वाद लिया ।

राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह रांची जिला के जाने-माने समाजसेवी निपु सिंह ने बताया कि यह मंदिर 79 वर्ष पुराना है । यहां हर साल पर्व- त्योहार में धूमधाम से भंडारा किया जाता है करीब तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया । उन्होंने कहा कि यहां बाबा भोले और मां दुर्गा से जो कोई भी मन्नत मांगता है वह पूरा होता है। इस मौके पर अभिषेक दुबे उर्फ गुड्डू संतोष श्रीवास्तव, निपु सिंह, आलोक कुमार और मंजय दुबे सहित हजारों से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और भोले बाबा और मां दुर्गा से आशीर्वाद लिया ।

अपराधियों ने पूर्व मुखिया समेत दो लोगों को मारी गोली ,घायल

संवाददाता

पलामू: जिले के मेदिनीनगर टाउन में अपराधियों ने पूर्व मुखिया नवीन प्रसाद एवं एक अन्य व्यक्ति अजीत गुप्ता को गोली मार दी है। दोनों को गंभीर हालत में मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पूर्व मुखिया नवीन प्रसाद की पत्नी नगर निगम से वार्ड पार्षद भी रह चुकी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में छानबीन कर रही है। नवीन प्रसाद को सीने में और अजीत गुप्ता को हाथ में गोली लगी है।

दरअसल, नवीन प्रसाद अपने क्षेत्र में कंबल वितरण को लेकर मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के कान्दू मोहल्ला के लोगों से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अपराधी मौके पर पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग करना शुरू कर दी। अपराधियों ने नवीन प्रसाद को टारगेट कर ताबड़तोड़ फायरिंग की। नवीन प्रसाद बचने के लिए बगल के दुकान में घुस गए थे। लेकिन अपराधियों ने दुकान में घुसकर भी फायरिंग करते रहे, जिसमें दुकानदार अजीत गुप्ता को गोली लग गई।

घटना के बाद स्थानीय लोग एवं पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। जहां दोनों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी राजीव रंजन, टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची है और पूरे मामले में छानबीन कर रही। डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि फायरिंग की घटना हुई है, जिसमें दो लोगों को गोली लगी है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। वहीं, टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि मामले में पुलिस जांच कर रही है। साथ ही कई इलाके में छापेमारी भी कर रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंचे हैं।

बोकारो हाफ मैराथन को ले पंजीकरण 20 जनवरी तक

बोकारो: स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने, फिटनेस के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने व सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बोकारो इस्पात संयंत्र की ओर से इस वर्ष भी 01 फरवरी 2026 को बोकारो हाफ मैराथन का आयोजन किया जायेगा। यह मैराथन बोकारो के सेक्टर चार स्थित मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में सुबह 06:30 बजे शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि बोकारो हाफ मैराथन एआइएमएस से प्रमाणित है, जिससे इसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान प्राप्त है। एक्टिव बोकारो-हेल्दी बोकारो अभियान के अंतर्गत आयोजित इस मैराथन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2026 है। प्रतियोगिता को विभिन्न आयु-वर्गों के अनुरूप तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। प्रतियोगिता में 21.2 किलोमीटर (हाफ मैराथन), 10 किलोमीटर व पांच किलोमीटर की दौड़ शामिल हैं। ये दौड़ 40 वर्ष तक, 40 से 60 वर्ष व वरिष्ठ नागरिक वर्ग के पुरुष व महिला प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग आयोजित की जायेगी। हाफ मैराथन के विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। सभी प्रतिभागियों को मेडल, टी-शर्ट व ई-प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। सामाजिक समावेशन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में 13 वर्ष से अधिक आयु के दिव्यांगजनों के लिए दो किलोमीटर की विशेष दौड़ का आयोजन भी किया जा रहा है। इच्छुक प्रतिभागी पोर्टल के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। प्रबंधन ने समस्त नागरिकों, खेल प्रेमियों व युवाओं से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने व बोकारो हाफ मैराथन को सफल बनाने की अपील की है।

मोहन नगर में धूमधाम से हुई मां वत्सला भवानी की पूजा-अर्चना

संवाददाता

खलारी: नोनिया चौहान एकता मंच एनके पिपरवार के तत्वावधान में बुधवार को पृथ्वीराज चौहान चौक, मोहन नगर में समाज की कुलदेवी मां वत्सला भवानी की पूजा-अर्चना श्रद्धा और धूमधाम के साथ संपन्न हुई। आयोजन को लेकर आकर्षक पूजा पंडाल का निर्माण किया गया था, जहां विधिवत मंत्रोच्चारण के बीच मां वत्सला भवानी की प्रतिमा स्थापित की गयी। पूजा में यजमान के रूप में कृष्णा चौहान ने विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर मां वत्सला भवानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने भी पूजा-

अर्चना की तथा प्रसाद वितरण कर भंडारे की विधिवत शुरूआत की। इससे पूर्व आयोजन समिति की ओर से समाज के लिए शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में खलारी-पिपरवार क्षेत्र के लोगों का सराहनीय सहयोग मिला। कार्यक्रम में महाप्रबंधक दिनेश प्रसाद गुप्ता, कांग्रेस नेता राजन सिंह राजा, सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि रमेश चौहान, कृष्णा चौहान, अशर्फी राम, नंदलाल चौहान, शैलेंद्र शर्मा, कमलेश चौहान, बूटन चौहान, नसीब चौहान, भूषण चौहान, जितेंद्र चौहान, संतोष चौहान, रामनारायण नोनिया सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

पहाड़ी मंदिर के पुनर्निर्माण की वर्षगांठ पर भक्ति जागरण का भव्य आयोजन

खलारी: पहाड़ी मंदिर खलारी के पुनर्निर्माण की वर्षगांठ के अवसर पर भक्ति जागरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा फीता काट कर किया गया। इससे पूर्व मां दुर्गा के चित्र पर विधिवत पूजा-अर्चना की गयी। कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों को चुनरी ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। भक्ति जागरण में बाहर से आये तथा स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़ कर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मंदिर की वर्षगांठ पर उमड़ी भारी भीड़ ने देर रात तक भक्ति गीतों का आनंद लिया। खास कर महिला श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रही, जो गीतों की धुन पर झूमती नजर आयी। श्रद्धालुओं के उत्साह से कलाकारों में भी खासा जोश देखने को मिला। स्थानीय कलाकार दारा के निर्देशन में गायक राज निगम, वीणा कौर और खुशबू विश्वकर्मा ने अपनी सुमधुर आवाज में भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं साज-संगीत के माध्यम से बीड़ी महंत दारा, बंटी, विशाल, सुनील भारद्वाज, जीतू सहित अन्य कलाकारों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आये।

ठंड से मिलेगी राहत! 18 जनवरी से तापमान में वृद्धि की संभावना

संवाददाता

रांचीः राज्य में भीषण ठंड ने कहर बरपाया हुआ है। ठंड का कहर थमने का नाम ही नहीं ले रहा। ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं, राहत की बात ये है कि अब राज्यवासियों को ठंड से राहत मिलने वाली है।

18 और 19 जनवरी को तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धिः मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूवार्नुमान के मुताबिक अगले तीन दिनों तक 15, 16 और 17 जनवरी को न्यूनतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक 18 और 19 जनवरी को तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की

संभावना है जिससे ठंड से कुछ राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मिला जुला मौसम बने रहने की संभावना है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते दिनों की कड़ाके की ठंड की तुलना में अब तापमान में हल्की बढ़ोतरी से जनजीवन सामान्य होता दिख रहा है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के और मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला का 1.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

विनय चौबे को फ्लैट दिलाने वाले सरदार सुरेंद्र सिंह को एसीबी ने किया गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांची : विनय चौबे और विनय सिंह के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति की जांच से जुड़े मामले में एसीबी ने दिल्ली के रियल स्टेट कारोबारी सरदार सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। एजेंसी ने सरदार सुरेंद्र सिंह को रांची से गिरफ्तार किया है ।

एसीबी ने सुरेंद्र सिंह को गुरुवार को पूछताछ के लिए मुख्यालय बुलाया था लेकिन वह एसीबी की पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे थे । एसीबी की जांच में यह बात सामने आई कि विनय चौबे की सरहज (साले की पत्नी) प्रियंका त्रिवेदी के नाम पर खरीदे गए एक फ्लैट के मामले में सुरेंद्र सिंह की भूमिका थी ।

वर्ष 2017 में सुरेंद्र सिंह ने एक पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर प्रियंका त्रिवेदी को लगभग 43 लाख रुपये में एक फ्लैट बेचा था । एसीबी को संदेह है कि इस

खरीद-फरोख्त में विनय चौबे के अवैध धन का निवेश किया गया था ।

इसी लेनदेन के दस्तावेजों का सत्यापन करने और धन के स्त्रोत का पता लगाने के लिए एसीबी ने जनवरी 2026 की शुरूआत में सरदार सुरेंद्र सिंह को रांची बुलाकर पूछताछ की थी । इस मामले में सुरेंद्र सिंह के अलावा रांची के कारोबारी श्रवण जालान और ज्योतिष एनके. बेरा से भी पूछताछ की जा चुकी है ।

रांची के गुलफाम अंसारी इंडियाज टैलेंट फाइट सीजन-2 में बिखेरेंगे सुरों का जादू

रांचीः राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी इलाके के रहने वाले होनहार गायक गुलफाम अंसारी टीवी पर प्रसारित होने वाले लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो इंडियाज टैलेंट फाइट सीजन-2 में नजर आएंगे। गुलफाम का चयन ऑनलाइन मेगा ऑडिशन के माध्यम से हुआ, जिसके बाद उत्तराखंड के रुड़की में आयोजित ऑडिशन में भी उन्होंने जजों को अपने गायन से खासा प्रभावित किया और अगले दौर के लिए चयनित हुए। चयन के बाद जोहार समाचार से बातचीत में गुलफाम अंसारी ने बताया कि ऑडिशन से ठीक पहले वे काफी घबरा गए थे, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। जैसे ही थोड़ा बेहतर महसूस करते, वे रियाज में जुट जाते थे। गुलफाम ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसी है। हिन्दपिडी क्षेत्र के निवासी गुलफाम ने बताया कि बचपन से ही उन्होंने कुछ अलग और बड़ा करने का सपना देखा था। इस सफर में उनकी मां और परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया, उनके सपनों को जिंदा रखा और उन्हें खुलकर जीने की आजादी दी। आज उसी का नतीजा है कि वे इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं। गौरतलब है कि गुलफाम अंसारी वर्तमान में अपनी आजीविका के लिए टुक-टुक चलाते हैं, लेकिन संगीत के प्रति उनका जुनून बचपन से ही रहा है। उन्होंने फिल्मों के गीतों से गायन की शुरूआत की और लगातार मेहनत करते रहे। अब उनका लक्ष्य इस मंच पर बेहतरीन प्रदर्शन कर आगे बढ़ना और अपनी पहचान बनाना है। गुलफाम की इस उपलब्धि से न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे रांची और हिन्दपिडी क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

फर्जी वंशावली और जाली दस्तावेजों से भाजपा नेता के परिवार की जमीन बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़

कांड संख्या 321/25 में मुख्य आरोपी महिला गिरफ्तार

रांचीः नामकुम अंचल अंतर्गत मौजा बालसिरिंग (थाना धुर्वा) स्थित खाता संख्याझ्र1 के प्लॉट संख्या 889 एवं 890 से जुड़े बहुचर्चित भूमि फर्जीवाड़ा मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी तुपुदाना ओपी में दर्ज कांड संख्या 321/25 के तहत दिनांक 13 जनवरी 2026 को की गई।

गिरफ्तार महिला स्वयं को सुशीला सहदेव बताती थी, जबकि अंचल कार्यालय, नामकुम की आधिकारिक जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हो चुका है कि उसके द्वारा प्रस्तुत की गई वंशावली पूरी तरह फर्जी है तथा उस पर दर्ज अंचल अधिकारी के हस्ताक्षर और मुहर भी जाली हैं। अंचल कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की कोई भी वंशावली उनके कार्यालय से कभी निर्गत नहीं की गई। फर्जी दस्तावेजों के जरिये भाजपा नेता के परिवार की पैतृक भूमि पर कब्जे की साज़िश, भाजपा झारखंड के प्रदेश सोशल मीडिया सह-संयोजक राहुल शाहदेव ने कहा कि इस महिला ने फर्जी वंशावली के द्वारा गलत तरीके से पावर ऑफ अटॉर्नी और सरकारी अभिलेखों में छेड़छाड़ के माध्यम से उनके परिवार की पैतृक भूमि को हड़पने और बेचने का संगठित षड्यंत्र रचा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गिरफ्तार महिला सिर्फ एक कठपुतली है, असली मास्टरमाइंड कोई और है, जो पर्दे के पीछे रहकर पूरे जमीन माफिया नेटवर्क को चला रहा है। बिना संरक्षण और अंदरूनी मिलीभगत के इतने बड़े स्तर पर दस्तावेजों की जालसाजी और रजिस्ट्री संभव नहीं हो सकती। निबंधन प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी, अंचल कार्यालय की रिपोर्ट से यह सिद्ध हो गया है कि, प्रस्तुत वंशावली फर्जी है।

अंचल अधिकारी का हस्ताक्षर जाली हैः कार्यालय से ऐसा कोई दस्तावेज जारी नहीं किया गया, आंचल की रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट है कि अंचल कार्यालय वंशावली निर्गत ही नहीं करता। फर्जी वंशावली के जरिए निबंध होना जो पूरे निबंधन तंत्र की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

बांग्लादेशी पहचान और अंतरराज्यीय नेटवर्क की आशंका : राहुल शाहदेव ने आरोप लगाया कि यह महिला वास्तव में सुशीला सहदेव नहीं बल्कि रजिया खातून है और उसके बांग्लादेशी नागरिक होने की भी आशंका है। यदि यह तथ्य सत्य पाया जाता है, तो यह मामला केवल भूमि फर्जीवाड़ा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर अपराध बन जाएगा। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और इस रैकेट के सभी सदस्यों की गिरफ्तारी हो, साथ ही ऐसे अपराधियों को सहयोग करने वाले सफेद कलर लोगों का भी पदार्फाश किया जाए। राहुल शाहदेव ने पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी का स्वागत करते हुए कहा कि यह सही दिशा में पहला कदम है, लेकिन अब जरूरत है कि कांड संख्या 321/25 में केवल इस महिला ही नहीं बल्कि पर्दे के पीछे बैठे पूरे गिरोह को बेनकाब कर सभी दोषियों को कानून के कठघरे में लाया जाए। उन्होंने कहा,यह सिर्फ हमारी जमीन का मामला नहीं, बल्कि झारखंड के आम नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा और कानून के राज का प्रश्न है। हम इस लड़ाई को अंतिम अंजाम तक ले जाएंगे।

सना हज एंड उमराह सर्विस से 37 जायरीन रांची एयरपोर्ट से उमरा पर रवाना

मेट्रो रेज

रांचीः सना हज एंड उमराह सर्विस से 37 जायरीन रांची एयरपोर्ट से आज उमरा पर रवाना हुए। सना हज एंड उमरा सर्विस से लगातार उमरा जाने वालों का जत्था रांची एयरपोर्ट से जा रहा है। लगातार हर दूसरे महीने उमराह करने वालों का जत्था रांची एयरपोर्ट से उमराह के लिए उड़ान भर रही है। झारखंड का सबसे विश्वसनीय ट्रेवल्स सना हज एंड उमरा सर्विस के हजरत मौलाना हाफिज गुलशाद के नेतृत्व में आज 37 जायारीन का ग्रुप रवाना हुआ। जायरीन को मुबारक सफर पर रवाना करने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे। मौके पर लोगों ने जायरीन को फूल माला पहनाकर और गले मिलकर रवाना किया। इस जत्था को झारखंड के प्रख्यात कारी कुरआन हजरत कारी सोहेब अहमद ने जत्था को रवाना किया। सना हज एंड उमरा सर्विस के डायरेक्टर हाफिज गुलशाद ने कहा कि हमारा ट्रेवल्स का मकसद है गांव और सभी लोगो को उमराह आसानी से कराना है। सभी जायरीन को 50 से अधिक जगहो की जियरात कराई जाती है। साथ ही सभी जायरियोंन को मक्का और मदीना में 500 मीटर के दायरे में 4 स्टार होटल में ठहराया जाता है। सभी जायरीन को उमराह के दौरान लॉन्ड्री, मेडिकल समेत सभी तरह की सुविधा दी जाती है। हाफिज गुलशाद ने कहा की हर जत्था में मैं और मेरी पत्नी सना नसीम साथ रहते हैं। ताकि किसी भी जायरीन को परेशानी न हो। महिला के लिए महिला गाइड होने से सारे अरकान आसानी से हो पता है। हाफिज गुलशाद ने कहा कि सना हज एंड उमरा सर्विस का अगला ग्रुप रमजान से पहले, रमजान में और ईद के बाद रवाना होंगी। जिसकी बुकिंग जारी है। उन्होंने कहा कि सबसे कम पैकेज है मेरे पास। इस मौके पर सना हज एंड उमरा सर्विस के फाउंडर हाजी नसीम, झारखंड के मशहूर कारी कुरआन हजरत कारी सोहेब अहमद, सना नसीम, मो आसिफ, मो चांद, मो कैसर, कारी खुर्शीद, मौलाना ताबे आलम रिजवी, नासिर अफसर, ताबिश अहमद, फरहाद शमशी, हाजी साबिर, मो असलम, सनाउल्लाह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

आर्मी डे पर आर्मी पब्लिक स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता

मेट्रो रेज

रांचीः आर्मी डे के शुभ अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल, रांची में एक भव्य पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कलाकृतियों के माध्यम से भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रप्रेम को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता को विभिन्न वर्गों में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति एवं कला-कौशल सराहनीय रहा। प्रतियोगिता का मूल्यांकन विद्यालय के कला शिक्षकों एमडी. साबिर हुसैन एवं नितेश द्वारा जूरी सदस्य के रूप में किया गया।

परिणाम इस प्रकार रहे–

वर्ग।

प्रथम पुरस्कार : साक्षी कुमारी (कक्षा 7ए)

द्वितीय पुरस्कार : अंशिका

तृतीय पुरस्कार : आन्वी

सांत्वना पुरस्कार : आराधना एवं शैरोन गुरिया

वर्ग।।

प्रथम पुरस्कार : आधा

द्वितीय पुरस्कार : नंदिनी

तृतीय पुरस्कार : अमन राज सिंह

सांत्वना पुरस्कार : श्रुति गोरी

विद्यालय के प्रधानाचार्य अभय कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें देशभक्ति, अनुशासन और रचनात्मक सोच को भी प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शिक्षकों के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

भाजपा के नये प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू बोले-

अंतिम पंक्ति के कार्यकर्ता को आगे बढ़ाएंगे

संवाददाता

रांचीः भारतीय जनता पार्टी झारखंड के नये प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू नियुक्त किये है। रांची में राज्य भाजपा के चुनाव पदाधिकारी जुएल उरांव ने साहू को निर्विरोध भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा की। अध्यक्ष पद की घोषणा के साथ ही भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस मौके पर उरांव ने कहा कि मैं चुनाव प्रभारी हूं। झारखंड में सभी का सहयोग मिला। मुझे उम्मीद है कि आदित्य साहू के नेतृत्व में झारखंड की भाजपा बेहतर प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने अपने चुनाव की यादें कार्यकर्ताओं के साथ साझा की।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन शुभ है। उन्होंने आशा जताते हुए कहा कि आदित्य साहू सरल सौम्य और संगठन के प्रति ईमानदार है। इनके नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और संगठन को मजबूती मिलेगी। इनके नेतृत्व में राज्य और देश के

पार्टी के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि आज लक्ष्य के साथ चुनौती भी है। कार्यकर्ता इनके नेतृत्व में सभी चुनौती को हासिल करेंगे। 2029 में झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी। आज के इस शुभ अवसर पर यह कहा जा सकता है कि झारखंड के गठन जिस उद्देश्य के साथ हुआ है उसे भाजपा जरूर पूर्ण करेगी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदित्य साहू के साथ राजनीति का एक लंबा सफर तय किया है। बूथ स्तर से प्रदेश अध्यक्ष तक का सफर साथ रहा। झारखंड राज्य को भाजपा ने ही बनाया है और आज 25 वर्ष के बाद भी झारखंड उस स्थान पर नहीं है जहां पर 25 वर्ष में राज्य को होना चाहिए था।

बाबूलाल मरांडी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा के अलावा किसी भी पार्टी के पास संगठित कार्यकर्ता नहीं है। हमें अपने ताकत को पहचानना है। तभी अपने लक्ष्य तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने बताया कि रांची सहित झारखंड के अन्य राज्य में चरमराती विधि व्यवस्था के खिलाफ एसएसपी कार्यालय का घेराव किया। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा आज जिस मुकाम पर है उसमें दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्श पर चल कर ही प्राप्त किया है। हमारे नेता गरीबी में भी खेत खलिहान, गांव शहर तक जा जा कर पार्टी का कार्य किया हैं। साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। उन्होंने झारखंड के सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि संगठन को बढ़ाने के लिए तन-मन से लगा रहूंगा। भाजपा झारखंड प्रदेश के अभिभावकों के अनुभव से पार्टी को आगे बढ़ाने का काम करूंगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री, सांसद प्रदीप वर्मा और कार्यकताओं से कहा कि मुझे सुसज्जित पार्टी मिली है, ताकतवर कार्यकर्ता भी मिले है। सभी के साथ मिल कर पार्टी के अंतिम पायदान पर खड़े कार्यकर्ता को आगे लाने का काम करूंगा। कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ की हड्डी है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण–प्रथम, उत्तर– पश्चिम रेलवे, मण्डल कार्यालय के पास, अजमेर–305001 (राजस्थान) निम्नलिखित कार्य हेतु, ऑन–लाईन खुली ई–निविदा सिस्टम (एकल स्तर, दो पैकेट) के माध्यम से निर्धारित इलैक्ट्रोनिक प्रपत्र पर निविदा आमंत्रित करते हैं:– **(1) निविदा संख्याः** एनडब्ल्यूआर–एससी–अज– ड्रोन–टी–1; **(2) कार्य का नाम एंव स्थानः** उत्तर–पश्चिम रेलवे की उप मुख्य इंजीनियर/प्रथम यूनिट में अजमेर (सम्मिलित) सैक्शन और पुष्कर (सम्मिलित) कात्यासनी (मेड़ता) का प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग आर. टी.के/पी.पी.के. वाले यू.ए.बी./ड्रोन का इस्तेमाल करके एरियल वीडियोग्राफी करना और जरूरत के हिसाब से ड्रोन/मानव रहित एरियल सिस्टम (यू.ए.एस.) और स्टीरियो फोटोग्रामेट्री टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके एरियल सर्वे द्वारा यार्ड का टोपोग्राफिकल सर्वे करना और अजमेर (छोडकर)–रायला रोड (सम्मिलित) सैक्शन और पुष्कर सम्मिलित) कात्यासनी (मेड़ता) के मौजूदा/प्रस्तावित यार्ड के ई.एस.पी. डेवलप करना। **(3) निविदा का प्रकारः** एकल स्तर, दो पैकेट; **(4) अनुमानित लागतः** रूपये 1,57,89,150.97 (रू. एक करोड़, सत्यानवे लाख, नवासी हजार, एक सौ पचास एंव सत्तानबे पैसे मात्र); **(5) बिड सिक्योरिटी/ धरोहर राशिः** रूपये 2,29,000.00 (रू.दो लाख, उन्तीस हजार मात्र); **(6) कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 24 (चौबीस) माह; **(7) निविदा की अन्तिम दिनांक व समयः** दिनांक 29.01.2026 को प्रातः 15.00 बजे तथा निविदा खुलने की दिनांक 29.01.2026 तथा समय 15.30 बजे; **(8) वैबसाईट का विवरणः www.ireps.gov.in;** नोटः कोई भी व्यक्तिगत (मैनुअल) टैण्डर स्वीकार नही किया जाऐगी

84-AN/26

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मकर संक्रांति: सृष्टि में ऊर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व

शीत ऋतु के मध्य जब सूर्यदेव धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उनकी उत्तरायण गति प्रारम्भ होती है, तब मकर संक्रांति होती है। यह पर्व सृष्टि में उर्जा का नवसंचार करने वाला पर्व है। मकर संक्रांति के दिन जप, तप, दान, स्नान, श्रद्धा, तर्पण आदि धार्मिक विधि विधान व कर्मों का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन दिया गया दान सौ गुना बढ़कर प्राप्त होता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, गौ, स्वर्ण, ऊनी, वस्त्र, कम्बल आदि दान के साथ गंगा स्नान एवं गंगातट पर दान का विशेष महत्व है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगा सागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है।

संक्रांति से सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं। इस पर्व का का सम्बन्ध हमारे पौराणिक इतिहास से भी है। इस दिन भगवान भास्कर अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। महाभारत काल में इसी दिन भीष्म पितामह ने अपनी देह का त्याग किया था। आज ही के दिन गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। इसी दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत कर युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी और यही कारण है कि इस पर्व को बुराइयों और नकारात्मकता समाप्त करने का पर्व कहा जाता है। वैज्ञानिक मान्यता है कि इस दिन से रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा सूर्य का ताप बढ़ने लगता है। दिन बड़ा होने से प्रकाश का वातावरण अधिक होता है अतः सूर्य की राशि में हुए परिवर्तन को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होना माना गया है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चैतन्यता एवं कार्यशक्ति में वृद्धि होती हैं। इस अवसर पर सम्पूर्ण भारत में सूर्य देव की उपासना, आराधना एवं पूजन करने का विधि-विधान है। हरियाणा और पंजाब में यह पर्व लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन अंधेरा होते ही आग जलाकर अग्निदेव की पूजा करते हुए तिल गुड़ चावल और भुने हुए मुक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिल चौली कहा जाता है। इस दिन पारम्परिक मक्के की रोटी व सरसों के साग का आनंद भी उठाया जाता है। उत्तर प्रदेश में यह पर्व दान का पर्व है। तीर्थराज प्रयाग में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर विशाल मेला लगता है, जिसे माघ मेले के नाम से जाना जाता है।उसी दिन से मांगलिक कार्यों भी आरम्भ हो जाते है। माघ मेला स्नान पौष पूर्णिमा से शिवरात्रि तक चलता है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में गोरखनाथ मंदिर में विशाल मेला लगता है जो खिचड़ी मेले के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर पर नेपाल के राज परिवार की ओर से गोरक्षनाथ को प्रथम खिचड़ी अर्पित होती है। राज्य की सभी नदियों के तट पर स्नान तथा व दान पर्व होता है। इस दिन दान के उपरांत खिचड़ी खाने एवं खिलाने का बड़ा महत्व है।

तमिलनाडु में इस पर्व को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाया जाता है। पोंगल मनाने के लिये स्नान करके खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनायी जाती है। जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्यदेव को भोग लगाया जाता है। कर्नाटक, केरल व आंध्रप्रदेश में इसे संक्रांति ही कहते हैं। बिहार में भी इस पर्व को खिचड़ी नाम से ही जाना जाता हैं। महाराष्ट्र में भी यह पर्व बड़े धूमधाम व उमंग के साथ मनाया जाता है यहाँ इस दिन महिलाएं आपस में तिल, गुड़ एवं रोली और हल्दी बांटती है। वहीं, बगाल में इस पर्व पर तिल दान करने की प्रथा है। यहां गंगासागर में प्रतिवर्ष विशाल मेला लगता है। असम में मकर संक्रांति को माघ बिहु अथवा भोगाली बिहू के नाम से मनाया जाता हैं। गुजरात में मकरसंक्रांति पर दान स्नान के साथ साथ पतंग उड़ाने का भी प्रचलन है जिसमें भारी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक तथा बड़ी-बड़ी हस्तियां हिस्सा लेती हैं। मकर सक्रांति का पर्व पूरे भारत को एक सूत्र में जोड़ने वाला उत्साह, उमंग और उल्लास का पर्व है। यह समाज को सकारात्मक विचार प्रदान करने वाला पर्व है। सामाजिक एकीकरण का पर्व है। हिन्दुओं की साझी परंपरा का पर्व है। हमें इस आध्यात्मिक ऊर्जा से भरे पर्व की राष्ट्रीय सार्थकता को समझते हुए इसके मूल स्वरूप को बचाए रखने का प्रण लेकर इसे उपभोक्तावाद से संरक्षित करना होगा।

शरिया या उम्मा की निष्ठा भारतीय संविधान से पहले !

भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां संविधान की सर्वोच्चता और कुछ समूहों की विचारधारात्मक आक्रामकता के बीच संघर्ष अब स्पष्ट रूप में दिखने लगा है। यह समस्या किसी धर्म-विशेष के अनुयायियों की नहीं, एक तरह से देखें तो उन लोगों की है जो अपने धार्मिक या वैचारिक ग्रंथों को देश, समाज, राष्ट्र और संविधान से ऊपर रखने की घोषणा करते हैं। संविधान भारतीय नागरिकता का आधार है, और नागरिकता स्वयं तभी सार्थक होती है जब नागरिक राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानता है। दुर्भाग्य यह है कि अब कुछ संगठित समूह खुले तौर पर घोषणा करने लगे हैं कि उनके लिए शरिया या उम्मा की निष्ठा भारतीय संविधान से पहले है। यह घोषणा सिर्फ धार्मिक भावना नहीं है, यह राष्ट्रीय ढांचे के विरुद्ध वैचारिक विद्रोह है। इस प्रकार की विचारधारा धीरे-धीरे अपराधों को वैधता देने का खतरनाक माध्यम बन जाती है। जब किसी कट्टर नेटवर्क के भीतर अपराधी मानसिकता को ‍‍ह्लकौमी कर्तव्यह्व कहकर समर्थन दिया जाता है, तब वह अपराध सामान्य आपराधिक हरकत नहीं रह जाता; वह संगठित सामाजिक हिंसा बन जाता है। भीड़ हिंसा, दंगे, पत्थरबाजी, आतंकवादियों के लिए खुला समर्थन, और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले आंदोलन इसी मानसिकता की उपज हैं। यदि यह वातावरण बढ़ता रहा तो अराजकता केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और भौगोलिक स्तर पर भी देश को कमजोर कर देगी। इतिहास इस बात का प्रमाण है कि किसी भी राष्ट्र में जब कानून से ऊपर किसी वैचारिक पहचान को बढ़ावा मिलता है, तो राष्ट्र अंततः विघटन के मार्ग पर चल पड़ता है। यहाँ पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ऐसे नागरिकों के लिए समाधान क्या होना चाहिए? क्या देश से निष्कासन या फाँसी जैसे कठोर दंड की आवश्यकता है? या कोई ऐसा उपाय है जो राष्ट्र को भी सुरक्षित रखे और लोकतंत्र की मयार्दा भी बनाए रखे? यह समझना आवश्यक है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में मृत्यु-दंड या नागरिकता-निष्कासन अंतिम औजार हैं। इन्हें केवल तभी उपयोग किया जा सकता है जब नागरिक ने स्वयं हिंसक राष्ट्र-विरोधी अपराध किया हो- जैसे आतंकवाद, राजद्रोह की सशस्त्र गतिविधि या बड़े पैमाने पर हिंसा का नेतृत्व। केवल विचारधारात्मक बयान के आधार पर इन दंडों का इस्तेमाल करना संविधान की दृष्टि से संभव नहीं है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संवैधानिक व्यवस्था ऐसे घोषणाओं को सहन करने के लिए बाध्य है। समाधान दंड की कठोरता में नहीं, बल्कि कानून के निर्णायक और निर्भीक प्रयोग में है। जिस नागरिक ने संविधान-विरोधी विचार को सार्वजनिक रूप से घोषित किया है, उसके लिए कानून पहले से मौजूद है- यूएपीए, राजद्रोह से संबंधित धाराएँ, 153ए और 295ए जैसी सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी धाराएँ तथा संगठित अपराधों पर राज्यस्तरीय कठोर कानून। समस्या यह है कि इन कानूनों का प्रयोग निरंतर, निष्पक्ष और त्वरित गति से नहीं होता। जब कानून लचीला हो जाता है, तब अपराधी समूहों को यह भ्रम हो जाता है कि वे अपनी कौमी एकता या धार्मिक पहचान की आड़ लेकर किसी भी अपराध को दबा या पलट सकते हैं। यही भ्रम भविष्य में अराजकता का मूल कारण बनता है। इसलिए राष्ट्रहित में पहला और अनिवार्य कदम यह होना चाहिए कि संविधान को अस्वीकार करने की सार्वजनिक घोषणा को गंभीर अपराध माना जाए।

नहीं थम रहा बंगलादेश में हिन्दुओं की हत्या का दौर

भारत के लगभग 3900 जवानों का बलिदान हुआ था और लगभग दस हजार सैनिक घायल हुए थे। लाखों करोड़ का वित्तीय भार पड़ा सो अलग। बंगलादेश यदि अस्तित्व में आया है तो भारत के कारण लेकिनवही बंगलादेश अब भारत के विरुद्ध षड्यंत्र रच रहा है और हिन्दुओं का जीना मुश्किल कर रहा है।

रमेश शर्मा

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमलों और उनकी बर्बर हत्याओं का दौर रुक नहीं रहा। इसमें हिन्दु स्त्रियों के साथ सामूहिक बलात्कार का अध्याय भी जुड़ गया है। लेकिन भारत के अधिकांश वे राजनैतिक दल चुप हैं जिन्हें आतंकवादियों के भी मानवाधिकार की चिंता रहती है। पिछले सप्ताह कॉंग्रेस नेता जयराम रमेश और के वेणुगोपाल तो मीडिया से बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या का प्रश्न सुनकर ही भाग निकले। यह वही बंगलादेश है जिसके निवासियों को कभी अपनी बांग्ला संस्कृति पर गर्व होता था और बांग्ला संस्कृति को सुरक्षित रखने केलिये संघर्ष किया था। उनके संघर्ष को सार्थक करने के लिये भारत ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी थी। 1971 का युद्ध भी झेला था। इसमें भारत के लगभग 3900 जवानों का बलिदान हुआ था और लगभग दस हजार सैनिक घायल हुए थे। लाखों करोड़ का वित्तीय भार पड़ा सो अलग। बंगलादेश यदि अस्तित्व में आया है तो भारत के कारण लेकिनवही बंगलादेश अब भारत के विरुद्ध षड्यंत्र रच रहा है और हिन्दुओं का जीना मुश्किल कर रहा है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन को डेढ़ साल होने आ गया है। सत्ता परिवर्तन के साथ हिन्दुओं पर हमले आरंभ हुये जो रुकने का नाम नहीं ले रहे बल्कि हमलों की क्रूरता बढ़ रही है। बांग्लादेश अब जिस राह पर है, उसमें तीन बातें बहुत स्पष्ट हैं। एक पाकिस्तान के प्रति प्रेम और एकजुटता, दूसरी भारत के प्रति घृणा और तीसरी हिन्दुओं की हत्याएँ। तीनों प्राथमिकताएँ पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई और कट्टरपंथी संगठन जमायत-ए- इस्लामी की हैं। जमायत-ए-इस्लामी अपनी कट्टरता के लिये पूरी दुनिया में कुख्यात है। कई देशों ने तो इस पर प्रतिबंध लगा रखा है। जबकि पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई को आतंकवाद की संरक्षक माना जाता है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता परिवर्तन इन दोनों संस्थाओं की रणनीति थी। कहने के लिये वह छात्र आँदोलन था लेकिन परदे के पीछे यही दोनों संगठन थे। अब बंगलादेश में आईएसआई का कार्यालय खुल गया है। जमायत-ए-इस्लामी खुलकर चुनाव में भाग ले रही है। यह जमायत-ए- इस्लामी वही संस्था है जिसने 1971 में शेख मुजीबुरहमान के नेतृत्व चल रहे बांग्लादेश आंदोलन का विरोध किया था। जमायत-ए-इस्लामी पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बनाने के पक्ष में कतई नहीं थी। यह आईएसआई और जमायत-ए-इस्लामी की सक्रियता ही है कि अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच आने-जाने के लिये वीजा के कई प्रावधान सरल कर दिये गये हैं। बांग्लादेश में अब भारत को खुलेआम धमकियाँ भी दी जाने लगीं हैं। बांग्लादेश नेशनल सिटीजन पार्टी के प्रमुख हसनत अब्दुल्लाह ने तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों जिन्हें ₹सेवन सिस्टर्स₹ कहा जाता है, को भारत से तोड़ने की धमकी भी दी है। इन राज्यों में अरुणांचल प्रदेश, मिजोरम, असम, मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड और त्रिपुरा माने जाते हैं। बांग्लादेश के एक अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी अब्दुल रहमान ने भी भारत के टुकड़े करने की धमकी दी है। इन धमकियों को साधारण नहीं समझा जा सकता। जिस प्रकार कट्टरपंथियों के ₹स्लिपर सेल₹ भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने का षड्यंत्र रच रहे हैं उससे हसनत अब्दुल्लाह और अब्दुल रहमान की धमकियों को हल्का नहीं लिया जा सकता। तीसरे, बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले और हत्याओं के बढ़ते आँकड़े हैं। हमलों और हत्याओं के आँकड़े बढ़ने के साथ उनमें क्रूरता भी बढ़ रही है। हिन्दुओं पर हमले और हत्याओं का यह क्रम सत्ता परिवर्तन के पहले दिन से ही आरंभ हो गया था। बांग्लादेश में ऐसा कोई गाँव नहीं जहाँ हिन्दुओं के घरों पर हमला न हुआ हो। बांग्लादेश सरकार ने अब ऐसे समाचारों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। समाचार पत्र ही नहीं वे सोशल मीडिया एकाउंट भी लॉक किये जा रहे हैं जो हिन्दुओं पर हमले और उत्पीड़न के समाचार प्रसारित कर रहे हैं। फिर भी चोरी-छिपे जो समाचार आ रहे हैं वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं। हिन्दुओं पर अत्याचार के लिये कट्टरपंथी नित नया पैंतरा अपना रहे हैं। सत्ता परिवर्तन के साथ घरों और मंदिरों पर हमले, चाकू या गोली मारकर हत्या का क्रम अब क्रूरता के साथ हत्या और जिन्दा जलाने की घटनाओं में बदल गया है। यह क्रूरता लगभग वैसी ही है जैसी सल्तनतकाल में हुआ करती थी। तब उसका उद्देश्य क्रूरता से हत्या करके हिन्दुओं को डराना था ताकि क्रूरता पूर्वक हत्याओं का यह दृश्य देखकर भयभीत हिन्दु धर्मांतरण कर लें। पिछले चौबीस दिनों में आठ हिन्दुओं की क्रूरता पूर्वक की गई हत्याओं में बर्बरता की वही झलक है। इन हत्याओं के अतिरिक्त एक हिन्दू स्त्री से बलात्कार और एक हिन्दू महिला अधिकारी को गालियाँ देकर जान से मारने की धमकी देने की घटना भी सामने आई है। इन बड़ी घटनाओं के अतिरिक्त बारह गाँवों में हिन्दुओं के घरों पर हमला करने के समाचार भी आये।हत्याओं और हिन्दुओं के उत्पीड़न का यह नया दौर कट्टरपंथी उस्मान हादी की हत्या के बाद पुनः आरंभ हुआ। उस्मान हादी पर 12 दिसंबर 2025 को दो बाइक सवार हमलावरों ने ढाका के बिजयनगर क्षेत्र में किया था। उसे गोली मारी गई थी। उसे उपचार के लिये सिंगापुर ले जाया गया। जहाँ 18 दिसम्बर को उसकी मौत हो गई। हादी की मौत से हिन्दुओं का कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन उसकी मौत को बहाना बनाकर हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हिन्दुओं के घर, व्यवसायिक प्रतिष्ठान ही नहीं हिन्दुओं के संपादन में चल रहे समाचारपत्र कार्यालयों और साँस्कृतिक संस्थानों पर भी हमले हुये। इनमें ह्य'प्रोथोम आलो'ह्वऔर ह्य'डेली स्टारह्व' समाचार पत्र और ₹छायानात₹ और ₹उदिची शिल्पी₹ जैसे साँस्कृतिक संस्थाओं के कार्यालय शामिल हैं।

जिस दिन हादी की मौत हुई उसी दिन 18 दिसम्बर को दीपू चंद्र दास नामक हिन्दु की क्रूरतापूर्वक हत्या की गई। दीपूदास की हत्या सीधे चाकू मारकर अथवा गोली मारकर नहीं की गई। पहले सारे कपड़े उतारे गये, फिर पीटा गया। अधमरा करके पेड़ से बांधकर जिन्दा जलाया था। कट्टरपंथियों ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया ताकि हिन्दुओं में भय व्याप्त हो। दूसरी हत्या 24 दिसंबर की रात को राजबाड़ी जिले के पांगशा में अमृत मंडल की गई। उस पर ईशनिंदा का आरोप लगाया और हिंसक भीड़ ने पीट-पीट कर अधमरा कर दिया था। पुलिस अमृत मंडल को गंभीर अवस्था में पंगसा उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले गई। रात करीब 2 बजे मंडल का निधन हो गया। तीसरी हत्या 30 दिसंबर को ब्रजेन्द्र विश्वास की हुई। ब्रजेन्द्र को उसी स्थान पर ले जाया गया जहाँ दीपू दास की हत्या की गई थी। बृजेंद्र बिस्वास को गोली मारकर हत्या करने वाला उसी का साथी नौमान मियां था। चौथी हत्या 31 दिसम्बर को हिंदू बिजनेसमैन खोकन चंद्र दास की हुई। यह हत्या शरियतपुर जिले के दामुड्या के कोनेश्वर यूनियन में के-उरभंगा बाजार के पास हुई थी। वह रात लगभग 9:30 बजे अपनी फामेर्सी की दुकान बंद करके लौट रहा था तभी कट्टरपंथियों ने उसे रोका। पहले मारपीट की फिर शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

अयोध्या श्री राम मंदिर: वैश्विक शांति और समृद्धि की नींव

अयोध्या भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, शाश्वत भक्ति और भारत को ₹विश्वगुरु₹ बनाने के लिए दुनिया में शांति लाने के मार्ग के रूप में एक प्रकाश स्तंभ की तरह खड़ा है, जबकि हाल ही में निर्मित राम मंदिर आध्यात्मिक चमक से जगमगा रहा है।

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

22 जनवरी, 2024 को दुनिया भर के लाखों लोगों ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया, जिसने भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण की शुरूआत की। श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या सिर्फ एक शहर से कहीं ज्यादा है; यह एक कालातीत, आध्यात्मिक गूंज है। यह श्री राम के धर्म, सत्य, बलिदान और आदर्श जीवन के प्रतीक का प्रतिनिधित्व करता है। अयोध्या भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म, शाश्वत भक्ति और भारत को ₹विश्वगुरु₹ बनाने के लिए दुनिया में शांति लाने के मार्ग के रूप में एक प्रकाश स्तंभ की तरह खड़ा है, जबकि हाल ही में निर्मित राम मंदिर आध्यात्मिक चमक से जगमगा रहा है।

श्री राम मंदिर हिंदू दर्शन और संस्कृति की भव्यता को दशार्ता है। इसका विस्तृत डिजाइन, जो प्राचीन भारत की कलात्मक और स्थापत्य प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करता है, पारंपरिक भारतीय कौशल, ज्ञान और कारीगरी को प्रदर्शित करता है। अपनी शानदार वास्तुकला से परे, यह मंदिर हिंदू और वैश्विक संस्कृति में एक एकीकृत शक्ति के रूप में कार्य करने के लिए भाषाई और भौगोलिक बाधाओं को पार करता है। यह दुनिया भर में हिंदू प्रवासियों के लिए उनकी वंशावली की याद दिलाता है और सांस्कृतिक गौरव का स्रोत है। दिन-ब-दिन अधिक तंत्रज्ञान से जुड़े हुए दुनिया में, यह एकता को बढ़ावा देता है और हिंदू धर्म के कालातीत सिद्धांतों को बनाए रखता है। श्री राम की छवि अयोध्या या भारत तक सीमित नहीं है। उनकी आभा वास्तव में पूरी दुनिया में महसूस की जाती है। वह पूरी मानवता के प्रतीक हैं। हिंदू धर्म के संदर्भ में, राम मंदिर का निर्माण लाखों लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। एक भौतिक इमारत होने के अलावा भगवान राम को समर्पित यह मंदिर आध्यात्मिक पुनर्जन्म, सांस्कृतिक संरक्षण और उन सिद्धांतों का प्रतीक है जो दुनिया भर में हिंदुओं और मानवता में विश्वास रखने वालों के दिलों में गहराई से अंकित हैं। राम मंदिर की कहानी हिंदू धर्म के लोकाचार के साथ एक गहरा संबंध बनाती है, जो एक पवित्र स्थान पर ईश्वर की वापसी की साझा इच्छा का प्रतिनिधित्व करती है। हिंदुओं के लिए, राम मंदिर उनकी प्राचीन विरासत की एक भौतिक याद दिलाता है और संस्कृति की शाश्वत जीवन शक्ति का प्रतीक है। नतीजतन, यह मंदिर हमारे समाज के मूलभूत सिद्धांतों और राम के उन गुणों दोनों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें सभी लोग प्रशंसनीय पाते हैं। इस 7वें या वैवस्वत मन्वंतर में 28वें द्वापर के खत्म होने और कलियुग की शुरूआत को पांचवीं सहस्त्राब्दी ईसा पूर्व में भगवान कृष्ण की मृत्यु के बाद रामराज्य की प्रतीकात्मक स्थापना से चिह्नित किया गया था।

राम शब्द सिर्फ. एक प्राचीन सभ्यता से कहीं ज्यादा है जो आज तक मौजूद है, यानी भारत। यह नाम एक पहचान और एक मूल्य का प्रतीक है जो व्यवहार और जीवंतता में सभी ऐतिहासिक युगों से परे है। भारत के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के साथ-साथ देश के पश्चिम और पूर्व के लोककथाएँ लोगों के दिलों में ज़िंदा हैं। ₹राम₹ एक ऐसा नाम है जिसकी भारत के हर कोने में बच्चे छोटी उम्र से ही गुणगान करते हैं। उनकी पौराणिक जीवन कहानियाँ भारत की सीमाओं से परे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैल गई हैं, जहाँ रामायण को आज भी थिएटर, संगीत, नृत्य, चित्रकला और मूर्तिकला में रचनात्मक रूप से दिखाया जाता है। संस्कृत में वाल्मीकि रामायण, हिंदी में तुलसीदास की रामचरितमानस, तमिल में कंबन की रामावतारम और श्री राम के महाकाव्य की कई और क्षेत्रीय कहानियाँ हजारों सालों से पूरे भारत में गूंज रही हैं। यह आम कहानी जो भाषाओं और रीति-रिवाजों से परे है, भारत को एकजुट करने वाले कारक के रूप में उनके कार्य को उजागर करती है। भारत से परे, रामायण का पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया पर प्रभाव है; म्यांमार और लाओस की कला, थाईलैंड की रामाकियन, कंबोडिया की रीमकर और इंडोनेशिया की काकाविन रामायण सभी यह दशार्ते हैं कि राम के सिद्धांत विश्व सांस्कृतिक परंपराओं में कितने गहरे बसे हुए हैं। राम के सिद्धांत सार्वभौमिक रूप से आकर्षक हैं जैसा कि अंकोर वाट के शानदार स्मारकों और जावा की छाया कठपुतलियों से देखा जा सकता है। श्री राम को समर्पित इस शानदार मंदिर को भारत की सॉफ्ट पावर के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के रूप में देखा जा सकता है। राम मंदिर का महत्व स्थानीय सीमाओं से परे वैश्विक क्षेत्र तक फैला हुआ है। यह मंदिर प्रेम, विश्वास, अंतर्राष्ट्रीय भाईचारे और मानवता के सभी सकारात्मक पहलुओं का प्रतीक बन जाएगा जो दुनिया भर के लोगों के साथ गूंजते हैं क्योंकि राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कहानियों को फिर से परिभाषित करते हैं। भारतीय संस्कृति की मूलभूत समावेशिता निःस्संदेह एक अधिक सहायक माहौल प्रदान करेगी। इतिहास की उथल-पुथल के बावजूद, अयोध्या की भावना बनी रही, राष्ट्रीय सीमाओं को पार करते हुए और दुनिया भर में गूंजती रही। भारत से परे, भगवान राम को नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया और अन्य देशों में पूजा जाता है। हजारों सालों से, भारत की संस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक आदर्श पूरे दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप के साथ साझा किए गए हैं। ये विशेषताएं, साथ ही क्षेत्रीय राजनीतिक गतिशीलता, राम मंदिर द्वारा फिर से परिभाषित की जा सकती हैं। भारतीय सभ्यता के मौलिक गुण, समावेशिता और स्वीकृति, ने ऐतिहासिक रूप से दुनिया भर के विभिन्न देशों, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं के बीच राजनीतिक खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे भारत एक पूरी तरह से अलग राष्ट्र बन गया है जहां धार्मिक बहुलवाद की गारंटी है और उसे प्रोत्साहित किया जाता है। अयोध्या में श्री राम मंदिर सदियों के लचीलेपन और भारतीय संस्कृति का उत्सव मनाता है, न कि सिर्फ विनाश की याद दिलाता है। रामलला के दर्शन का उद्देश्य हमारे समाज के मौलिक सिद्धांतों और मूल्यों को बनाए रखना, उनके महत्व पर जोर देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए इन सिद्धांतों की एक स्थायी याद दिलाना है। भगवान श्री राम आदर्श ₹मयार्दा पुरुषोत्तम₹ हैं, जो आध्यात्मिक गहराई और मार्शल वीरता का सामंजस्यपूर्ण संयोजन हैं, जो भारतीय लोकाचार की जीवंत ऊर्जा में ऊंचे खड़े हैं और भारतीय समाज, साहित्य, संगीत और गीतों में कल्पना किए गए आदर्श पुरुष का प्रतिनिधित्व करते हैं। राम मंदिर के निर्माण से भारत में समावेश के एक नए युग की शुरूआत हुई है। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को इस जगह पर इकट्ठा होने और भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिसे साझा विरासत के प्रतीक में बदल दिया गया है। राममंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह उन सामान्य आदर्शों की मार्मिक याद दिलाता है जो भारत के लोगों को एक साथ बांधते हैं। मंदिर की भव्यता श्री राम के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ-साथ पिछली कड़वाहट को पीछे छोड़कर एक समृद्ध भविष्य को अपनाने के साझा संकल्प को दशार्ती है। अगर श्री राम को एक बेंचमार्क माना जाता है तो इसलिए नहीं कि वह सिर्फ एक दिव्य शक्ति हैं; बल्कि, इसलिए कि उन्होंने मानवीय क्षमता और दृढ़ता की उस हद को दिखाया जो चमत्कार और अजूबे पैदा कर सकती है। जन्म से इंसान होने के बावजूद, उन्हें बचपन से ही शांति और सुकून के कारण दिव्य शक्ति के रूप में पूजा जाता है। अपनी मजबूत हिंदू जड़ों के बावजूद, श्री राम मंदिर की कहानी में एक सार्वभौमिक सबक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कामाख्या का महामंत्र करेगा हर मनोकामना पूरी

मां कामाख्या देवी शक्ति की सबसे पूजनीय रूपों में से एक हैं। मां कामाख्या असीम आध्यात्मिक शक्ति और तंत्र साधना से जुड़ी देवी हैं। मां कामाख्या की दिव्य ऊर्जा का आह्वान इच्छाओं की पूर्ति, आध्यात्मिक उन्नति और समस्याओं के समाधान के लिए किया जाता है। असम में पवित्र कामाख्या मंदिर है। असम में स्थित कामाख्या मंदिर तंत्र साधना का एक प्रसिद्ध केंद्र है और यह 51 शक्तिपीठों में से एक है। मां कामाख्या की पूजा और मंत्र जाप करने से व्यक्ति अपने जीवन की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कामाख्या देवी के मंत्र का महत्व और जप विधि के बारे में बताने जा रहे हैं।

प्रणाम मंत्र

कामाख्ये कामसम्पन्ने कामेश्वरि हरप्रिये ।
कामनां देहि मे नित्यं कामेश्वरि नमोऽस्तु ते ॥

बीज मंत्र

'क्लीं क्लीं कामाख्या क्लीं क्लीं नमः'

कैसे करें जाप

मां कामाख्या के इस मंत्र का रोजारा सुबह स्नान आदि करने के बाद पूजा स्थान पर बैठकर 3 माला जप करना चाहिए। मंत्र जाप शुरू करने से पहले मां कामाख्या का मन में स्मरण करना चाहिए और कृपा व आशीर्वाद पाने के लिए अरदास लगाना चाहिए। लगातार 41 दिनों तक इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आने लगती है।

आकर्षण में वृद्धि

मां कामाख्या के बीज मंत्र का जाप करने से व्यक्ति के आकर्षण में वृद्धि होती है और उनको अपने साथी के प्रति अधिक आकर्षण बना सकता है। इस मंत्र के मदद से आप एक सफल प्रेम जीवन जी सकते हैं।

उत्पादकता में वृद्धि

कामाख्या बीज मंत्र का जाप करने से रचनात्मकता और उत्पादकता बढ़ती है। ऐसे में इस मंत्र का जाप करने से व्यक्ति अपने विचारों को अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाता है और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करता है।

शक्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि

इस मंत्र के लगातार 41 दिन जाप करने से व्यक्ति का आत्मविश्वास और शक्ति बढ़ती है। यह व्यक्ति के जीवन में चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक हो सकता है।

तंत्र साधना में सफलता

इसका जाप करने से व्यक्ति को सफलता मिलती है। यह मंत्र व्यक्ति को मां कामाख्या की शक्तियों तक पहुंचने और उनको अपने जीवन में प्रकट करने में सहायता करता है।

मनोकामना पूर्ति

कामाख्या मंत्र का जाप करने से जातक की हर मनोकामना पूरी होती है।

टिप्स

बंद नाक से हैं परेशान

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवाओं को बढ़ते प्रदूषण की वजह से नाक बंद होना और साइनस की समस्या होना आम परेशानी है। बता दें कि जब नाक के मार्ग में झिल्ली में सूजन आ जाती है और गाढ़ा म्यूकस जमा हो जाता है। इस कारण सांस लेने में बहुत समस्या होती है और सिर भारी रहने लगता है। ऐसी दिक्कत होने पर 'भाप लेना' सबसे प्रभावी और सुरक्षित घरेलू उपाय माना जाता है। भाप लेने से श्वसन मार्ग को फौरन नमी देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ 10 रुपए में मिलने वाली अजवाइन इस प्रोसेस के लाभ को दोगुना कर सकती है। अजवाइन में 'थायमोल' नाम का एक शक्तिशाली तेल होता है। इसमें डिंकजेस्टेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। जब आप अजवाइन के पानी की भाप लेते हैं, तो यह गर्म वाष्प नसों और फेफड़ों तक पहुंचकर कफ को पिघला देती है। यह प्रोसेस न सिर्फ बंद नाक को खोलती है, बल्कि गले में खराश और संक्रमण फैलाने वाले कीटाणुओं को नष्ट करने में भी सहायता करता है।

भाप लेने का सही तरीका : अजवाइन की भाप लेने के लिए आप गहरे बर्तन में 2-3 गिलास पानी उबाल लें। अब इसके एक चम्मच अजवाइन को थोड़ा सा मसलकर डाल दें। गैस बंद करके एक बड़े तौलिए की मदद से इसको ढकें। अब करीब 5-10 मिनट तक नाक और मुंह से गहरी और लंबी सांस लें। वहीं यह भी देखें कि भाप बाहर तो नहीं निकल रही।

बरतें ये सावधानियां : हालांकि भाप लेना फायदेमंद है, लेकिन लापरवाही होने से आपका चेहरा भी जल सकता है। इसलिए बर्तन से हमेशा थोड़ी दूरी बनाए रखें, जिससे गर्म पानी की छींटे आपके चेहरे पर न पड़ें। वहीं भाप लेने के दौरान अपनी आंखों को बंद रखें, क्योंकि वाष्प आंखों में जलन पैदा कर सकती हैं। वहीं छोटे बच्चों को भाप दिलाने के दौरान खास सावधानी बरतें और बिना एक्सपर्ट की सलाह के अस्थमा के मरीजों को बहुत तेज भाप नहीं लेना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

कला और शिक्षा जगत में शोक की लहर

दुमका जिला कला संस्कृति संघ के अध्यक्ष शिशिर घोष का निधन

संवाददाता

दुमका नगर: जिला कला संस्कृति संघ के अध्यक्ष, सेवानिवृत्त शिक्षक और जिले में कई बाल विज्ञानियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभानेवाले शिशिर कुमार घोष का बुधवार की सुबह निधन हो गया। उनका निधन पूरे दुमका की सांस्कृतिक और शैक्षणिक दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति है। शिशिर घोष सिर्फ जिला कला संस्कृति संघ के अध्यक्ष ही नहीं थे, बल्कि साहित्य, संगीत, रंगकर्म, चित्रकला और मंच संचालन जैसी कई कलाओं के पारखी, सच्चे कलाकार और हमेशा कलाकारों के अधिकार के लिए आवाज उठाने वाले व्यक्ति थे। हिजला मेला की सांस्कृतिक उप समिति हो या जिला कला संस्कृति संघ का अध्यक्ष पद, जिला शिक्षा विभाग या अन्य प्रशासनिक कार्यक्रम–शिशिर दा ने हमेशा गुमनाम कलाकारों और बाल प्रतिभाओं को मंच दिया। सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने

जिला खेलकूद संघ में वरिष्ठ सदस्य के रूप में खेल आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिला कला संस्कृति संघ के पुनर्गठन के बाद जब पहली बार वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ, तब उन्होंने खोज-खोज कर साहित्य, संगीत, नृत्य, चित्रकला के जाने-माने नामों के साथ-साथ गुमनाम कलाकारों को भी मंच पर सम्मानित किया। विज्ञान के लोकप्रिय शिक्षक होने के साथ ही शिशिर घोष सिंथेसाइजर वादन, कंप्यूटर कार्य, उद्घोषक, मंच संयोजन, विज्ञान क्विज मास्टर और कला-संगीत के निर्णायक के रूप में भी ख्याति प्राप्त थे। शेरो-शायरी में भी उनकी गहरी रुचि थी। वर्ष 2000 के झारखंड स्थापना के बाद से ही शिक्षा विभाग और प्रशासनिक कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति अनिवार्य रही। शिक्षण सेवा में रहते हुए उन्होंने हर कार्य को पूरी निष्ठा और लगन से संपन्न किया। शंकर पंजियारा और विज्ञान शिक्षक कामख्या नारायण सिंह के साथ मिलकर साइंस फॉर सोसाइटी, दुमका के गठन के बाद से ही शिशिर घोष बच्चों के लिए विज्ञान क्विज का आयोजन करते रहे, जिससे दुमका में वैज्ञानिक चेतना का विकास हुआ। शिशिर दा दुमका के पुराने आर्केस्ट्रा टीम के भी प्रमुख सदस्य थे। 80 के दशक में उन्होंने युवा काल में ही गीत-संगीत की नींव डाली और किशोर कुमार व लता के पुराने गीतों को सहजता से प्रस्तुत करते थे। पिछले डेढ़-दो वर्ष से गंभीर बीमारी से जूझ रहे शिशिर घोष गत वर्ष 29 दिसंबर, 2025 को संघ के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भौतिक रूप से उपस्थित न रहकर भी निरंतर मार्गदर्शन करते रहे। उनके प्रस्ताव पर आयोजित झंकार 2025 वार्षिकोत्सव अभूतपूर्व रूप से सफल रहा था। उनके निधन के इस दुखद समाचार के बाद जिला कला संस्कृति संघ के उपाध्यक्ष महेंद्र प्रसाद साह, ईमानुएल सोरेन, कोषाध्यक्ष मधुर सिंह, संरक्षक सदस्य कवि अरुण सिन्हा, वरिष्ठ साहित्यकार शंभूनाथ मिस्त्री, संघ सचिव अशोक सिंह, मीडिया प्रभारी अमरेंद्र सुमन और अन्य वरिष्ठ शिक्षक व कलाकार अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके निधन पर झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्याध्यक्ष दिवाकर महतो, प्रमंडलीय अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार झा, जिला अध्यक्ष बुलबुल कुमार, जिला सचिव काशीनाथ महतो, मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता नीलांबर कुमार साहा, परीक्षा अध्यक्ष जुलकर अंसारी, संयुक्त सचिव अशोक कुमार यादव ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

दुमका एसआईआर प्रक्रिया को गंभीरता से लें कार्यकर्ता: विधायक

संवाददाता

सरैयाहाटः प्रखंड के कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गयी। इसकी अध्यक्षता अशोक यादव ने की। बैठक में पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे। विधायक प्रदीप यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया को सभी कार्यकर्ता पूरी गंभीरता से लें। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में संशोधन का कार्य आगे भी जारी रहेगा, जिसको लेकर पार्टी स्तर पर सभी बूथों पर बीएलए की नियुक्ति को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि बीएलए-2 को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे मतदाता सूची की

शुद्धता बनाए रखने में चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त बीएलओ के साथ सक्रिय भागीदारी निभा सकें। बीएलए अपने-अपने बूथों के पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ को सहयोग करेंगे और मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करेंगे। विधायक ने कहा कि एसआईआर के दौरान मतदाताओं की निगरानी और संरक्षण में बीएलए-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही बैठक में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में बिनोद यादव, विजय तिवारी, पुरुषोत्तम सिंह, मतीन अंसारी, दीपक कुमार, बसंती मुर्मू, दीपनारायण मंडल, प्रदीप मंडल, चुन्ना मंडल, सुभाष यादव, गुंजन कुमार, पलटू, संजय यादव सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रंग-बिरंगी पतंगों से सजा आसमान, काइट फेस्टिवल बना आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

दुमका/जामा: जामा के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल तातलोई एवं दुमका शहर से सटे सृष्टि पार्क कुरूवा में बुधवार को आयोजित काइट फेस्टिवल उत्साह, उमंग और रंगों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। खुले आसमान में लहराती रंग-बिरंगी पतंगों ने न केवल बच्चों बल्कि युवाओं और बुजुर्गों को भी खासा आकर्षित किया। स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आए पर्यटकों के लिए यह आयोजन यादगार बन गया। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की मासूम खुशी, युवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक पतंगबाजी और वरिष्ठ नागरिकों की सहभागिता ने आयोजन को खास बना दिया। तातलोई पर्यटन स्थल की प्राकृतिक सुंदरता और सृष्टि

पार्क की हरियाली ने कार्यक्रम की भव्यता में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर जिला खेल सह पर्यटन पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने बताया कि काइट फेस्टिवल का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देना और समुदाय को एक सूत्र में बांधना है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग से कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागियों और दर्शकों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे एक यादगार अनुभव बताया तथा भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की। प्रतिभागियों ने कहा कि यह काइट फेस्टिवल 2026 न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से भी एक सफल पहल साबित हुआ है। ऐसी पहल निरंतर जारी रहनी चाहिए।

दिव्यांग बच्चों के बीच गर्म वस्त्र और खाद्य सामग्री का वितरण

संवाददाता

साहिबगंज: स्थानीय दिव्यांग विद्यालय में दिव्यांग बच्चों के बीच साहिबगंज व्यवहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता ज्योति प्रकाश ओझा द्वारा अपने भाई बिट्टू की स्मृति में गर्म कोट,ट्रैकसूट का वितरण किया गया। ज्योति प्रकाश ओझा ने बताया कि दिव्यांग और अनाथ बच्चों की जरूरत को पूरा करना समाज का दायित्व बनता है। ठंड को देखते हुए सभी बच्चों के लिए ट्रैकसूट और कोर्ट प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बच्चे सुरक्षित रहे शिक्षित बने। मौके पर कौशल्या ज्योति ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुरेंद्रनाथ तिवारी, एकता राय,महेश तिवारी सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

स्ट्रीट बच्चों की सुरक्षा,शिक्षा और कानूनी सहायता पर सेमिनार

सरकार के साथ स्वयंसेवी संस्थाएं कदम से कदम मिलाकर काम कर रही हैं: तवारी

संवाददाता

साहिबगंज: पूर्व बाल कल्याण समिति सदस्य और कौशल्या ज्योति ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी ने गांधीनगर गुजरात में स्ट्रीट बच्चों की सुरक्षा,शिक्षा और कानूनी सहायता पर आयोजित तीन दिवसीय सेमिनार में भाग लिया। उन्होंने बताया कि संथाल परंगना के पहाड़िया जनजाति और आदिवासी समाज के बीच ट्रैफिकिंग कारण और निवारण विषय पर पूरी जानकारी रखी गई। साथ ही ऐसे ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों को प्रदान की जाने वाली

सहायता पर उन्होंने विस्तार से जानकारी रखी। उन्होंने इस सेमिनार में बच्चों की कैसे करें सुरक्षा,अधिक से अधिक प्रचार द्वारा कानूनी सहायता प्रदान,स्पॉन्सरशिप के लाभ पर विस्तार से अपने क्षेत्र में होने वाले कार्यों को बताया। उन्होंने स्पॉन्सरशिप योजना से होने वाले लाभ कोभी विस्तार से बताया गया। तिवारी ने बताया कि गुजरात जैसे राज्यों में बच्चों पर किस प्रकार से सरकार के साथ स्वयंसेवी संस्थाएं कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही हैं इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई पुर रोड में को तैयार कर-के स्ट्रीट चिल्ड्रन के बीच कार्य हो रहा है ऐसे कार्यों की जानकारी प्राप्त कर हम लोग भी बच्चों के सहायक बन सकते हैं। इस सेमिनार में बच्चों से संबंधित देशभर से 50 स्टेक होल्डर शामिल हुए थे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत पुलिस पदाधिकारियों के लिए कार्यशाला

संवाददाता

साहिबगंज: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के 14वें दिन साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी थानों में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों हेतु हिट एंड रन, राहवीर योजना और गुड समारिटन नेक नागरिक पॉलिसी से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला परिवहन पदाधिकारी श्री मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में आयोजित की गई जिसमें पुलिस पदाधिकारियों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रक्रियागत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही हिट एंड रन से संबंधित लंबित मामलों में त्रुटियों का निवारण करते हुए मुआवजा भुगतान हेतु आवेदनों को अग्रसारित किया गया।कार्यशाला

में गुड समारिटन नेक नागरिक पॉलिसी के उद्देश्यों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। जिसके तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर सहायता प्रदान कर मृत्यु दर में कमी लाने का संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त राहवीर योजना एवं हिट एंड रन योजना से संबंधित जागरूकता पम्पलेट, बुकलेट एवं हैंडबिल का वितरण कर आम जनमानस को जागरूक किया गया। एम भी।आई कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित पुलिस बल के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। सड़क सुरक्षा सुरक्षित जीवन की पहली सीढ़ी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बने आदित्य प्रसाद साहू, दी बधाई

संवाददाता

साहिबगंज: झारखंड प्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद,आदित्य प्रसाद साहू को भारतीय जनता पार्टी, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर साहिबगंज भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक अनुराग राहुल ने बधाई शुभकामनाएं दिया।अनुराग राहुल ने कहा कि आदित्य प्रसाद साहू जैसा अनुभवी,कर्मठ और जमीनी नेता संगठन के नेतृत्व में आने से निश्चित रूप से भाजपा झारखंड में नई मजबूती, अनुशासन और निर्णायक ऊर्जा का संचार होगा।उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन जनसेवा राष्ट्रनिर्माण और भाजपा के विस्तार के संकल्प को और अधिक सशक्त करेगा। इसका उसे पूर्ण विश्वास है।

न्यूज IN ब्रीफ

इग्नू में सत्र 2026 के लिए 31 जनवरी तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है

साहिबगंज: इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय देवघर के निर्देशानुसार,इग्नू अध्ययन केंद्र 3605 साहिबगंज महाविद्यालय के समन्वयक डॉ ध्रुव ज्योति कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इग्नू में जनवरी 2026 सत्र के लिए 31 जनवरी 2026 तकऑनलाइन लिंक के माध्यम से किए जा सकते हैं। श्री सिंह ने कहा कि छात्र -छात्राएं पीजी पाठ्यक्रम मे एमए अंग्रेजी हिंदी,इतिहास,राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र अर्थशास्त्र,लोक प्रशासन,ग्रामीण विकास के साथ यूजी पाठ्यक्रम मे बीए मे अंग्रेजी,हिंदी,इतिहास,राजनीति विज्ञान,समाजशास्त्र,अर्थशास्त्र,लोक प्रशासन मनोविज्ञान बीकॉम सामान्य,बीएससी सामान्य बीसीए आदि डिप्लोमा-रूरल डेवलमेंट डीईसीई डीनएचई सर्टिफिकेट कोर्स आदि जनवरी 2026 सत्र के लिए पुनःपंजीकरण की प्रक्रिया भी 15 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन के माध्यम से जारी है। कार्यक्रम से संबंधित जानकारी के लिए छात्र छात्राए साहिबगंज महाविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र 3605 से संपर्क कर सकते है।

जामिया इस्लाहुल मोमेनीन,बरहेट में लोकल समिति की बैठक संपन्न

दो दिवसीय अजीमुश्शान जलसे की तैयारी को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

साहिबगंज/बरहेट: जामिया इस्लाहुल मोमेनीन,बरहेट के प्रांगण में जामिया के लोकल कमिटी की एक अहम बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता जामिया के सदर मुजीबुर्रहमान ने की।बैठक में आगामी 14-15 फरवरी 103वां विराट दो दिवसीय अजीमुश्शान जलसे की तैयारी को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।इसके अलावा सालाना आम मीटिंग व लोकल नाइट जलसों की तिथियों के निर्धारण पर भी विचार विमर्श कर आपसी सहमति बनाई गई।मौके पर जामिया के सेक्रेटरी प्रो०हाशिम अख्तर,खाजीन एजाज अंसारी,जामिया के प्रिंसिपल अब्दुल रहमान फैजी,मौलाना अब्दुर रशीद,नायब सेक्रेटरी अब्दुल हक काजी,अब्दुल बारी,नायब संरक्षक आरिफ अंसारी,करमटोला मदरसा के सदर मोहम्मद अली अंसारी,अब्दुल हमीद मुसलेहुद्दीन अंसारी,गोपलडीह पंसस रेजाउल रहमान,अमजद अंसारी,शमशेर अली जियाउर अंसारी, मुरसलीम अंसारी,गियासुद्दीन अंसारी,शाहीन इकबाल उर्फ मिंटू,मज़ितुल्ला अंसारी,जलाल अंसारी,मोहम्मद आजाद,मोहम्मद शाहनवाज उर्फ सोनू,मोहम्मद रफीक,आयनुद्दीन अंसारी,मैनुल अंसारी,शरीफ अंसारी,मोहम्मद शरीफ,परवेज आलम उर्फ लाडला,मेराज अंसारी,अरशद अंसारी,शौकत अंसारी,नजरुल अंसारी,इफ्तेखार अंसारी के अलावा अन्य अराकीन ए जामिया मौजूद थे।

फायरिंग में पूर्व मुखिया और चाय दुकानदार को लगी गोली

पलामू : पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शहर थाना क्षेत्र के कांदू मोहल्ला गैस गोदाम रोड में एक चाय दुकान पर गुरुवार सुबह 9 बजे तीन राउंड गोली चल गई। गोली पूर्व मुखिया नवीन प्रसाद (45) के पीठ में लगी, जबकि एक चाय दुकानदार अजीत कुमार गुप्ता (52) के पैर में लगी। गोली लगने के बाद भी पूर्व मुखिया नवीन हमलावर युवक से भिड़ गए और पिस्टल छिनने की कोशिश की। हालांकि इसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिली लेकिन नवीन को भारी पड़ता देख हमलावर युवक मौके से भाग निकला। युवक की पहचान गोलू पासवान के रूप में हुई है घटनास्थल से सटकर उसका घर है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। नवीन प्रसाद को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि चाय दुकानदार का इलाज एमएमसीएच में चल रहा है। जानकारी के अनुसार पूर्व मुखिया नवीन प्रसाद अजीत प्रसाद की चाय दुकान में बैठे हुए थे। अचानक गोलू पासवान वहां पहुंचा और पीछे से गोली चला दी। एक गोली नवीन प्रसाद के पीठ में लगी। हालांकि तुरंत नवीन प्रसाद ने गोलू पासवान का पिस्टल पकड़ लिया और छिनने का प्रयास किया। दोनों में छीना झपटी हुई। इस क्रम में पिस्तौल से दो राउंड और गोली चली एक गोली दुकानदार अजीत के पैर में लगी। नवीन को भारी पड़ता देख हमलावर गोलू पासवान मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। इलाज के बाद अजीत कुमार गुप्ता खतरे से बाहर हैं, जबकि नवीन प्रसाद की हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए नवीन प्रसाद को रिम्स रांची रेफर कर दिया है। हालांकि उन्हें इलाज के लिए मेदिनीनगर के डॉ राहुल अग्रवाल के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नवीन की पत्नी सुषमा आहूजा नगर निगम में वार्ड 19 की निवर्तमान पार्षद है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। डीएसपी राजीव रंजन ने जानकारी दी की गोली चलाने वाले एक युवक गोलू पासवान की पहचान हुई है। घटनास्थल से कुछ खोखा भी मिला है। कारण जानने की कोशिश की जा रही है। पुलिस टीम को छापामारी के लिए लगाया गया है। जल्द स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी।

महिला ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ह्यूम पाइप भुइयांडीह में एक महिला ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार को मृतका का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान जैता सरकार (36) के रूप में हुई है, जो एक पैथोलॉजी लैब में कार्यरत थीं। बताया गया कि बुधवार देर रात उनका बेटा शौच के लिए उठा, तभी उसने अपनी मां को फंदे से लटका हुआ देखा। यह दृश्य देखकर बच्चे ने शोर मचाया, जिसके बाद पिता की नींद खुली। पिता ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी और आसपास के लोगों की मदद से शव को फंदे से उतारा गया। मृतका के पति बबलू मालगोप बारीडीह स्थित एक होटल में कुक का काम करते हैं। परिवार में दो छोटे बच्चे हैं। महिला ने खुदकुशी क्यों की, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति साफ हो पाएगी। फिलहाल सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

काबिल 2 पर बड़ा हिंट, संजय गुप्ता बोले- इस बार और भी खतरनाक

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन अपनी पिछली फिल्म 'वॉर 2' से मिली निराशा को पीछे छोड़ते हुए जल्द ही धमाकेदार वापसी करने जा रहे हैं। इसके लिए वे 'कृष 4' के साथ दर्शकों के सामने आएंगे, जिसमें अभिनय के साथ-साथ निर्देशन की जिम्मेदारी भी ऋतिक ने खुद संभाली है। इसी बीच एक खबर आई है कि ऋतिक अपनी सुपरहिट फिल्म 'काबिल' का सीक्वल लेकर आ सकते हैं। फिल्म निमार्ता संजय गुप्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा, 'यह तैयार है और इस बार कहीं ज्यादा खतरनाक !ह्व हालांकि, अभी तक सीक्वल के कलाकार और प्रोडक्शन से जुड़ी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। ऋतिक और यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'काबिल' साल 2017 में रिलीज हुई थी और भारत में लगभग 103.84 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया था। इसमें ऋतिक ने अंधे व्यक्ति रोहन भटनागर का किरदार निभाया था, जबकि यामी उनकी पत्नी के रोल में थीं। फिल्म की भावुक कहानी, संगीत और दर्शनीय दृश्यों ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 'काबिल 2' की पुष्टि होते ही प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उत्साह व्यक्त किया और ऋतिक से फिल्म जल्दी बनाने की अपील की। ऋतिक की यह वापसी और ह्यकाबिल 2ह्ण का आगमन बॉक्स ऑफिस पर नई उम्मीदें जगाने वाला है।

आमिर खान प्रोडक्शन से 'हैप्पी पटेल' का मोशन पोस्टर रिलीज, दर्शकों में उत्सुकता बढ़ी

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली फिल्म 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' इस साल की सबसे चर्चित और प्रतीक्षित फिल्मों में शामिल हो चुकी है। फिल्म में एक्टर-कॉमेडियन वीर दास लीड रोल निभा रहे हैं, जो इसी फिल्म से डायरेक्शन में भी डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म को लेकर पहले ही ट्रेलर और गानों ने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है। इसे क्विर्की और थ्रिल से भरपूर स्पाई कॉमेडी बताया जा रहा है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का नया मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसमें वीर दास और मोना सिंह अलग और अनोखे अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में मोना सिंह हाथ में चाकू लिए खड़ी हैं, जबकि वीर दास घबराए हुए दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में '3 डेज टू गो' लिखा हुआ है, जो फिल्म की रिलीज से पहले सस्पेंस बढ़ा रहा है। मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ₹3 दिन बाद, मामा से मिलने जरूर आना! थियेटर्स में मिलते हैं इस फ्राइडे। आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपने करियर में लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी फिल्मों के माध्यम से हमेशा नए मानक स्थापित किए हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए बैनर ने इस बार वीर दास के साथ हाथ मिलाया है। वीर दास को उनकी कॉमेडी स्पेशल्स और 'गो गोआ गॉन', 'बदमाश कंपनी', 'दिल्ली बेली' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। यह आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ उनकी दूसरी फिल्म है, जिससे यह प्रोजेक्ट और भी चर्चित बन गया है। निर्देशन की जिम्मेदारी भी वीर दास ने संभाली है और फिल्म 16 जनवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के मोशन पोस्टर और ट्रेलर ने पहले ही दर्शकों में उत्साह भर दिया है और इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'आवारापन-2' का प्रोडक्शन जोरों पर, अप्रैल में रिलीज होने की उम्मीद

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' से इमरान हाशमी ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। फिल्म के गीत और संगीत आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जिसकी वजह से यह फिल्म बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक मानी जाती है। अब लंबे इंतजार के बाद 'आवारापन-2' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस सीक्वल के जरिए इमरान हाशमी एक बार फिर अपने उसी पुरांने, गंभीर और दमदार अंदाज में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

हाल ही में इमरान हाशमी ने सीक्वल आने में हुई देरी की वजह बताई। उन्होंने कहा कि वह तभी 'आवारापन-2' करना चाहते थे, जब इसकी कहानी पहली फिल्म के स्तर की हो। हाशमी के मुताबिक वह लंबे समय तक एक मजबूत और प्रभावशाली स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे थे। जब लेखक बिलाल सिद्दीकी एक सशक्त कहानी लेकर आए, तभी उन्होंने फिल्म को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

फिलहाल 'आवारापन-2' का प्रोडक्शन जोरों पर है। कुछ समय पहले सेट से इमरान हाशमी का लंबे बालों वाला लुक सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं, जबकि निमार्ता महेश भट्ट हैं। इस फिल्म की शूटिंग बैंकॉक और थाईलैंड जैसे विदेशी लोकेशन्स पर की जा रही है। खास बात यह भी है कि दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी इस सीक्वल का हिस्सा होंगी। 'आवारापन-2' के अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है।

हिंदी सिनेमा में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुई रानी मुखर्जी

अभिनेत्री रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मदार्नी 3' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसी बीच रानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपने 30 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक और लंबा पोस्ट शेयर करते हुए अपने तीन दशक लंबे सिनेमाई सफर को याद किया। रानी ने अपनी पहली फिल्म 'राजा की आएगी बारात' को याद करते हुए लिखा कि उन्होंने किसी मास्टर प्लान के साथ नहीं, बल्कि अनजाने में सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था।

90 के दशक को याद करते हुए रानी ने यशराज फिल्म्स के सोशल मीडिया पेज पर लिखा, ₹30 साल पहले मैं बिना किसी बड़ी योजना के एक फिल्म सेट पर पहुंची थी। यह कोई सपना नहीं था जिसका मैंने पीछा किया हो, बल्कि यह कुछ ऐसा था जिसने मुझे खुद ढूंढ लिया।₹ उन्होंने आगे लिखा कि वह हमेशा मानती हैं कि दर्शक ही कलाकार की नियति तय करते हैं। 90 के दशक में की गई फिल्मों ने उन्हें उनकी पहचान और दिशा दी, जिसने उनके करियर की नींव रखी।

अपने पोस्ट में रानी ने 2000 के दशक को अपनी ₹आवाज खोजने का दौर₹ बताया। उन्होंने 'साथिया', 'ब्लैक', 'हम तुम' जैसी फिल्मों और संजय लीला भंसाली व अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अनुभव को खास बताया। रानी ने कहा कि वह हमेशा उन मजबूत महिला किरदारों की ओर आकर्षित रहीं, जो समाज को चुनौती देती हैं, चाहे वह 'बंटी और बबली', 'नो वन किल्ड जेसिका' या 'मदार्नी' हो। शादी और मां बनने के बाद भी उनका फोकस कम नहीं हुआ, बल्कि और स्पष्ट हुआ। 'हिचकी' और 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' जैसी फिल्मों ने उनके भीतर की संवेदनशीलता को और गहराई दी। साल 2025 में 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को उन्होंने जीवन का बेहद विनम्र और कृतज्ञ पल बताया और अपने इस सफर के लिए दर्शकों का दिल से धन्यवाद किया

रहस्य की दुनिया में ले जाएगी जावेद जाफरी की 'मायासभा', टीजर रिलीज

फिल्म 'तुम्बाड' से अपनी अलग पहचान बनाने वाले निर्देशक अनिल बर्वे एक बार फिर रहस्य और डर की दुनिया में दर्शकों को ले जाने के लिए तैयार हैं। उनकी अगली फिल्म 'मायासभा' काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। पिछले साल नवंबर में रिलीज हुए इसके पोस्टर में जावेद जाफरी के रहस्यमयी अवतार ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी। अब साल 2026 की शुरूआत में मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है, साथ ही इसकी नई रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है।

'मायासभा' के टीजर की शुरूआत जावेद जाफरी की गंभीर और रहस्यमयी आवाज से होती है। वह कबीरदास का दोहा पढ़ते सुनाई देते हैं, ₹माटी कहे कुम्हार से तू क्या रौंदेगी मोहे, एक दिन ऐसा आएगा कि मैं रौंदूंगी तोए।₹ इसके बाद टीजर में कई डरावने और रहस्य से भरे दृश्य दिखाई देते हैं, जो फिल्म के अंधेरे और तिलिस्मी माहौल की झलक देते हैं। जावेद जाफरी का अवतार बेहद गंभीर, गहन और डर पैदा करने वाला नजर आता है।

1980 के दशक की पृष्ठभूमि में रची गई है कहानी

फिल्म 'मायासभा' की कहानी 1980 के दशक के दौर में सेट की गई है। इसके जरिए मेकर्स जादू-टोना, तंत्र-मंत्र और एक रहस्यमयी दुनिया को बड़े पर्दे पर उतारने वाले हैं। पहले फिल्म की रिलीज तारीख 16 जनवरी, 2026 तय की गई थी, लेकिन अब इसे आगे बढ़ाते हुए 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला लिया गया है। टीजर सामने आने के बाद से ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

डब्ल्यूपीएल 2026: लिजेल ली और शैफाली के दम पर कैपिटल्स ने वॉरियर्स को हराया, दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

नवी मुंबई : लिजेल ली की आक्रामक बल्लेबाजी और शैफाली वर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज की। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में दिल्ली ने आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से मात दी। यह मुकाबला नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम गेंद पर लौरा वोल्वाड्र्ट ने संयम बनाए रखा और चौका जड़कर दिल्ली को जीत दिलाई। इस जीत के साथ दिल्ली ने अंक तालिका में अपना खाता खोला।

दिल्ली की सधी गेंदबाजी से यूपी 154 पर सिमटी

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्ज.की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। दिल्ली की ओर से शैफाली वर्मा (2/11), मारिजान कप (2/14) और श्री चरणी (1/29) ने शानदार गेंदबाजी की।

यूपी की कप्तान मेग लैनिंग ने 54 रनों की जिम्मेदार पारी खेली, जबकि हरलीन देओल ने 36 गेंदों में 47 रन बनाए। हालांकि 17वें ओवर के बाद हरलीन को रिटायर्ड आउट कराने का फैसला यूपी के लिए भारी पड़ गया। इसके बाद टीम की बल्लेबाजी लय टूट गई और अंतिम ओवरों में तेजी से विकेट गिरने लगे।

ली-वर्मा की तूफानी शुरूआत

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने तेज शुरूआत की। लिजेल ली और शैफाली वर्मा ने नई गेंद के गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए 11 ओवर में 94 रनों की साझेदारी की। शैफाली ने 32 गेंदों में 36 रन बनाए, जिसमें छह चौके शामिल थे। वह 12वें ओवर में आशा शोभना की गेंद पर दीप्ति शर्मा के शानदार कैच का शिकार बनीं।

कॉनर गैलाघर टोटेनहम हॉटस्पर में शामिल, एटलेटिको मैड्रिड से किया ट्रांसफर

एजेंसी

लंदन : इंग्लैंड के मिडफील्डर कॉनर गैलाघर ने आधिकारिक तौर पर प्रीमियर लीग क्लब टोटेनहम हॉटस्पर का दामन थाम लिया है। टोटेनहम ने ला लीगा क्लब एटलेटिको मैड्रिड से 25 वर्षीय गैलाघर के साइनिंग की घोषणा की। वह थॉमस फ्रैंक की टीम से लंबी अवधि के करार पर जुड़े हैं, हालांकि यह अंतरराष्ट्रीय मंजूरी के अधीन है। क्लब की वेबसाइट पर जारी बयान में गैलाघर ने कहा,ह्लमैं टोटेनहम का खिलाड़ी बनना चाहता था और सौभाग्य से क्लब की भी यही भावना थी। सब कुछ बहुत जल्दी और आसानी से हो गया। अब मैं मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा,ह्लमैं जानता हूं कि यहां के प्रशंसक कितने शानदार हैं। इस क्लब का हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी हो रही है और मैं सभी के साथ मिलकर

खास लम्हे और यादें बनाना चाहता हूं। कॉनर गैलाघर ने अपने करियर की शुरूआत चेल्सी की अकादमी से की थी और बाद में वह क्लब की पहली टीम के अहम सदस्य बने। उन्होंने चेल्सी की कप्तानी भी की। गैलाघर ने चेल्सी और क्रिस्टल पैलेस के लिए कुल 177 प्रीमियर लीग मैच खेले हैं। इसके अलावा वह चार्लटन एथलेटिक, स्वानसी सिटी और वेस्ट ब्रॉमविच एल्बियन के लिए लोन पर भी खेल चुके हैं। अगस्त 2024 में गैलाघर ने डिएगो सिमियोने की कोचिंग में एटलेटिको मैड्रिड जॉइन किया था, जहां उन्होंने 77 मुकाबलों में हिस्सा लिया। रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में 27 सेकंड में किया गया उनका गोल ऐतिहासिक रहा। वह मैड्रिड डर्बी में गोल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने और यह यूईएफए चैंपियंस लीग में किसी इंग्लिश खिलाड़ी का सबसे तेज गोल भी था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैलाघर अब तक इंग्लैंड के लिए 22 मैच खेल चुके हैं। वह 2022 फीफा विश्व कप और 2024 यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप की इंग्लैंड टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं।

टोटेनहम में गैलाघर के आगमन से मिडफील्ड को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है और क्लब के प्रशंसक उनसे बड़े योगदान की आस लगाए बैठे हैं।

एएफकॉन 2025: सालाह पर मारी पड़े माने, सेनेगल ने मिस्र को हराकर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

टैंजियर्स : सादियो माने के 78वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सेनेगल ने बुधवार को अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफकॉन) 2025 के सेमीफाइनल में मिस्र को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही माने ने अपने पूर्व लिवरपूल साथी और मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह पर अहम मुकाबले में बढ़त हासिल की।मैच के बाद 33 वर्षीय माने ने खुलासा किया कि यह उनका आखिरी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस टूनामेंट है। उन्होंने कहा, मैं बेहद खुश हूं कि मुझे अपने आखिरी एएफकॉन में खेलने का मौका मिला। मेरी कोशिश होगी कि फाइनल जीतकर ट्रॉफी डकार लेकर जाएं। पूर्व चैंपियन सेनेगल ने सतर्क रुख अपनाने वाली मिस्र टीम के खिलाफ मैच में गेंद पर ज्यादा नियंत्रण बनाए रखा। अब सेनेगल रविवार को होने वाले फाइनल में मेजबान मोरक्को से भिड़ेगा। इस नतीजे के साथ ही सेनेगल ने मिस्र के खिलाफ अपनी बढ़त बरकरार रखी। ह्यतेरांगा लायंसह्ण ने 2022 के एएफकॉन फाइनल और 2022 फीफा वर्ल्ड कप प्ले-ऑफ में भी मिस्र को हराया था। दोनों मुकाबलों का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ था।

यह सेनेगल की एएफकॉन फाइनल में चौथी उपस्थिति होगी। इससे पहले उसे 2002 में कैमरून और 2019 में अल्जीरिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2021 (2022 में आयोजित) संस्करण में उसने मिस्र को हराकर खिताब जीता था।

मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह को सेनेगल की मजबूत डिफेंस ने पूरे मैच में प्रभावी ढंग से रोके रखा। यह सलाह का पांचवां एएफकॉन था और अब तक वह दो बार उपविजेता रहकर ही खिताब के सबसे करीब पहुंचे हैं।

माने ने कहा,ह्लशुरूआत से ही हमने टीम के रूप में खेला। हमने व्यक्तिगत गलतियों और गैर-जरूरी फाउल से बचने की कोशिश की। पूरे मैच में हमने खेल को अच्छी तरह संभाला और कुल मिलाकर जीत के हकदार थे। उन्होंने आगे कहा,ह्लमेरे लिए सबसे अहम बात यह है कि सेनेगल हर बार जीते। मैं देश का सिपाही हूं और ट्रेनिंग हो या मैच, हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस दुनिया की सबसे कठिन प्रतियोगिता है, क्योंकि यहां सभी टीमें लगभग बराबर स्तर की होती हैं।ह्व

गरमाया माहौल, फिर लौटी शांति

मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कई बार तनातनी भी देखने को मिली। सेनेगल के अनुभवी डिफेंडर कालिदू कूलिबाली को 17वें मिनट में मिस्र के स्ट्राइकर ओमर मार्मूश पर फाउल करने के लिए पीला कार्ड मिला। यह उनका लगातार दूसरे मैच में दूसरा येलो कार्ड था, जिसके चलते वह रबात में होने वाले फाइनल में नहीं खेल पाएंगे। हालांकि इससे भी बुरी खबर यह रही कि छह मिनट बाद कूलिबाली चोटिल हो गए और उन्हें मामादू सार से बदलना पड़ा। पहले हाफ में सेनेगल ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन मिस्र के 37 वर्षीय गोलकीपर मोहम्मद एल-शेनावी को गंभीर चुनौती नहीं दे सका। हाफ टाइम से ठीक पहले दोनों टीमों के कोच और बेंच के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस और हल्की धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद रेफरी के हस्तक्षेप से हालात सामान्य हुए।

दूसरे हाफ में भी मैच का रुख ज्यादा नहीं बदला। मिस्र ने रक्षात्मक रणनीति अपनाए रखी और सेनेगल को गेंद पर नियंत्रण करने दिया। लेकिन आखिरकार 78वें मिनट में सेनेगल के दबाव का फल मिला। कामारा के लंबी दूरी के शॉट को डिफ्लेक्शन मिला, गेंद माने के पास पहुंची और उनके निचले शॉट ने एल-शेनावी को छकाते हुए जाल में रास्ता बना लिया। अब सेनेगल की नजरें फाइनल पर टिकी हैं, जहां वह इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतरेगा।

मकर संक्रांति : काशी में लाखों श्रद्धालुओं ने पुण्य सलिला गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

✔ लगातार दूसरे दिन गंगा तट पर दुर्लभ संयोग में स्नान के लिए जुटे श्रद्धालु,भोर से ही स्नान दान का सिलसिला

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी)में मकर संक्रांति पर्व पर लगातार दूसरे दिन गुरूवार को भी लाखों श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाई। दुर्लभ संयोग सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर उड़द, काला तिल आदि दान किए। दान पुण्य के बाद श्रद्धालुओं ने श्री काशी विश्वनाथ दरबार सहित अन्य मंदिरों में हाजिरी लगाई।

स्नानार्थियों के चलते दशाश्वमेध से लेकर गोदौलिया तक भोर से ही चहल-पहल बनी रही। इस दौरान घाट पर और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में सुरक्षा का व्यापक इंतजाम रहा। जल पुलिस के साथ एनडीआरएफ के जवान जहां घाटों पर मुस्तैद दिखे। वहीं, अफसर फोर्स लेकर सड़कों पर भ्रमण करते रहें। महास्नान पर्व पर गंगा स्नान के लिए वाराणसी सहित पूर्वांचल के ग्रामीण अंचल से आई महिलाएं सिर पर गठरी लिए नंगे पाव स्नान के लिए घाटों पर आती रही। वहीं, शहरियों के साथ देश के अन्य हिस्सों से आये श्रद्धालु भी स्नान के लिए भोर से ही गंगा घाट पर पहुंचते रहे। स्नान ध्यान, दान पुण्य का सिलसिला चलता रहा। गंगा स्नान के लिए सबसे अधिक भीड़ प्राचीन दशाश्वमेध घाट, राजेंद्र प्रसाद घाट, शीतला घाट, चगंगाघाट, भैसासुरघाट, खिड़किया घाट, अस्सी घाट, राजघाट, चेतसिंह किला घाट पर जुटी रही। पर्व पर दशाश्वमेध मार्ग स्थित खिचड़ी बाबा मंदिर से प्रसाद स्वरुप भक्तों में खिचड़ी बाटी गई। लोगों ने उत्साह के साथ खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद अपने घरों को रवाना हुए। उधर, जिले के ग्रामीण अंचल चौबेपुर के गौराउपरवार, चन्द्रावती, परनापुर, रामपुर, सरसौल, बलुआ घाट पर भी लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। भोर चार बजे के बाद ही गंगा तटों पर ठहरे लोग ठंड की परवाह किए बगैर आस्था का गोता लगाने लगे। दिन चढ़ने के बाद लगातार घाटों पर भीड़ लगने लगी जो दोपहर तब चलेगी। स्नान, दानपुण्य के बाद ग्रामीण अंचल की महिलाओं ने घरेलू सामानों की जमकर खरीदारी की। गौरतलब हो मकर संक्रांति वाले दिन भगवान सूर्य दक्षिण से उत्तर की ओर आते हैं। आज के ही दिन से सूर्य उत्तरायण होने के कारण स्नान पर्व का महत्व बढ़ जाता है। बीते बुधवार 14 जनवरी को सूर्य देव ने अपराह्न 3 बजकर 7 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश किया। सूर्य का संक्रमण अपराह्न में होने के कारण पवित्र नदियों में स्नान, दान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए अगले दिन 15 जनवरी को अधिक शुभ बताया गया। श्रद्धालुओं ने लगातार दूसरे दिन स्नान दान का पुण्य लिया।

अमेरिका ने 75 देशों के लिए इमिग्रेंट वीजा प्रक्रिया पर लगाई रोक

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिकी प्रशासन ने 75 देशों के नागरिकों के लिए इमिग्रेंट वीजा (स्थायी निवास) की प्रक्रिया को अनिश्चितकाल के लिए रोकने का आदेश दिया है। इस निर्णय के पीछे मुख्य कारण यह बताया गया है कि कुछ आवेदक ह्लपब्लिक चार्जह्व बन सकते हैं और अमेरिकी कल्याण योजनाओं का लाभ उठाकर देश पर बोझ डाल सकते हैं। यह फैसला 21 जनवरी से प्रभावी होगा। अमेरिकी कांसुलर अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे वीजा प्रक्रिया को तब तक स्थगित रखें जब तक कि विभाग वर्तमान आव्रजन कानून के

तहत स्क्रीनिंग और वेरिफिकेशन प्रक्रिया का पुनर्मूल्यांकन नहीं कर लेता। स्टेट डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल डिप्टी प्रवक्ता टोमी पिगॉट ने कहा, ह्लअमेरिका की आव्रजन प्रणाली का दुरुपयोग रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। जो लोग अमेरिकी जनता की उदारता का लाभ उठाकर कल्याण योजनाओं पर निर्भर होंगे, उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इस निर्णय से अफ्रीका, एशिया, मध्य पूर्व, कैरेबियन, यूरोप और लैटिन अमेरिका के देशों पर असर पड़ेगा। जिन देशों के वीजा प्रभावित होंगे, उनमें सोमालिया, रूस, ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नाइजीरिया, मिस्त्र, थाईलैंड और ब्राजील शामिल हैं। स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि इस रोक के दौरान केवल बहुत सीमित अपवाद ही मान्य होंगे और उन्हें केवल तब विचार किया जाएगा जब आवेदक पब्लिक चार्ज से संबंधित सभी शंकाओं को दूर कर लें। इमिग्रेंट वीजा परिवार-आधारित ग्रीन कार्ड, रोजगार-आधारित श्रेणियों और मानवीय सुरक्षा से संबंधित होती हैं। वहीं, नॉन-इमिग्रेंट वीजा अस्थायी होते हैं और इनमें पर्यटन, व्यवसाय, अध्ययन, अल्पकालीन रोजगार, निवेश और कूटनीतिक या मीडिया कार्य शामिल हैं।

नोटा नहीं, उपलब्ध उम्मीदवारों में सर्वश्रेष्ठ का चयन करें: डॉ. भागवत

एजेंसी

नागपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि, मतदान के दौरान सभी उम्मीदवारों को नकारने (नोटा) के बजाय उपलब्ध विकल्पों में से योग्य उम्मीदवार का चयन करना अधिक उचित है। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान हो रहा है। डॉ. मोहन भागवत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश उपाख्य ह्यभैय्याजीह्ल जोशी ने गुरुवार को महाल स्थित नागपुर नाइट हाईस्कूल के मतदान केंद्र पर मतदान किया। मतदान के लिए पहुंचने वालों में ये दोनों सबसे पहले थे। मतदान के बाद डॉ. भागवत ने कहा कि ह्यनोटाह्ल का प्रयोग सभी उम्मीदवारों को नकारने के समान है और यह लोकतंत्र की

सबसे खराब स्थिति मानी जा सकती है। इससे वास्तव में अवांछित उम्मीदवारों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलता है। इसलिए उपलब्ध उम्मीदवारों में से योग्य और सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार का चयन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जनहित को ध्यान में रखकर मतदान किया जाना चाहिए। अराजकता का अर्थ राजा या नेतृत्व के अभाव की स्थिति है, जो समाज के लिए घातक होती है।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

–चालू वित्त वर्ष 2025–26 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली : आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए अच्छी खबर है। विश्व बैंक ने मजबूत घरेलू मांग और कर सुधारों के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। यह उसके जून के अनुमान से 0.9 फीसदी ज्यादा है। विश्व बैंक ने जारी अपनी प्रमुख रिपोर्ट ह्यवैश्विक आर्थिक संभावनाएंह्ल में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा कि अगामी वित?त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी होकर 6.5 फीसदी

रह सकती है। विश्व बैंक जीडीपी का ये अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि अमेरिका का 50 फीसदी आयात शुल्क इस दौरान लागू रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, इसके बावजूद उम्मीद है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बनाए रखेगा। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया, ह्लवित्त वर्ष 2027-28 में वृद्धि दर बढ़कर 6.6 फीसदी होने की उम्मीद है, जिसे मजबूत सेवा गतिविधियों के साथ ही निर्यात में सुधार और निवेश में तेजी से समर्थन मिलेगा।

राजस्थान में फिर जमी बर्फ, सीकर-अलवर में पाला, माउंट आबू माइनस तीन डिग्री

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में बर्फ जमा देने वाली सर्दी का दौर एक बार फिर तेज हो गया है। गुरुवार सुबह सीकर और अलवर सहित कई जिलों में खेतों और गाड़ियों पर बर्फ जम गई। न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु के आसपास होने से कई इलाकों में पाला पड़ गया है, जिससे फसलों को नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के छह जिलों में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। हालांकि, 16 जनवरी से शीतलहर से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई गई है, जबकि 19 जनवरी से मौसम में बदलाव के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। सीकर के फतेहपुर में बुधवार को न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। दो दिन की

राहत के बाद रात में अचानक तापमान गिरने से खेतों और वाहनों पर बर्फ की परत जम गई। अलवर में भी बुधवार रात कड़ाके की सर्दी रही और गुरुवार सुबह गाड़ियों पर बर्फ जमी दिखाई दी। बुधवार को हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज सर्दी के कारण बर्फ जम गई। शेखावाटी और एनसीआर से सटे इलाकों में बर्फीली हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। प्रदेश के 15 शहरों में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे मापा गया। इनमें अलवर, पिलानी, सीकर, जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, नागौर, सिरोही, फतेहपुर, करौली, दौसा, लूणकरणसर, झुंझुनूं और पाली शामिल हैं। पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान माइनस तीन डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह भले ही सर्दी और शीतलहर का असर रहा, लेकिन दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने पर राहत मिली। बुधवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 26.6 डिग्री और पाली के जवाई क्षेत्र में 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 19 जनवरी से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके प्रभाव से जयपुर, भरतपुर और बीकानेर संभाग के जिलों में 19झ्र20 जनवरी के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है।

भोपाल में आज मध्य प्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कांफ्रेंस-2026 का आयोजन

✔ मुख्यमंत्री डॉ. यादव एआई-सक्षम शासन और आर्थिक परिवर्तन के लिए प्रदेश का रोडमैप करेंगे प्रस्तुत

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंडिया एआई मिशन के सहयोग से आज गुरुवार को ह्यमध्य प्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कांफ्रेंस-2026ह्ल का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस कांफ्रेंस में एआई-सक्षम शासन और आर्थिक परिवर्तन के लिए मध्य प्रदेश के रणनीतिक रोडमैप को प्रस्तुत करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि एआई इनेबल्ड गवर्नेंस फॉर एन एम्पावर्ड भारत की थीम पर

आयोजित इस कांफ्रेंस से एआई आधारित शासन, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अकादमिक और उद्योग समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ प्रदेश सरकार एआई को नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस में मध्य प्रदेश 'इनोवेशन एक्सपो' का शुभारंभ भी किया जाएगा, जिसमें इंडिया एआई पेवेलियन, मध्यप्रदेश पेवेलियन, स्टार्ट-अप शो-केस, हैकाथॉन एरिना और स्टार्ट-अप प्रतियोगिता शामिल होंगी। कांफ्रेंस में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव एवं इंडिया एआई के सीईओ अभिषेक सिंह और आईआईटी इंदौर के निदेशक सुहास एस. जोशी संबोधित करेंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे द्वारा ह्लएआई फॉर पीपल,प्लेनेट एंड प्रोग्रेस- मध्य प्रदेश रोडमैप टू इंपैक्ट ह्व पर राज्य का प्रमुख एआई विजन प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन कांफ्रेंस को संबोधित करेंगे।

प्रदेश की स्पेसटेक नीति होगी लांच

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, कांफ्रेंस में मध्य प्रदेश सरकार की स्पेसटेक नीति लांच होगी। इसके साथ ही विभिन्न समझौता ज्ञापनों और नवाचार एवं युवा एआई पहलों से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं की जाएंगी। कांफ्रेंस में तीन उच्चस्तरीय थीमैटिक सत्र- टेक्नोलॉजी लेड गवर्नेंस फॉर ऑल, एआई फॉर इकोनॉमिक ग्रोथ एंड सोशल गुड और रेज़िलिएंस, इनोवेशन एंड डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आयोजित किए जाएंगे। इनमें डिजिटल इंडिया- भाषिणी, यूआईडीएआई, एनईपीडी विभिन्न राज्य सरकारों और गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, डिलोट्टी और ईवाई जैसे अग्रणी संगठनों के विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। साथ ही एमपी इनोटेक स्टार्ट-अप पिच कंटेस्ट और उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन के विजेताओं की घोषणा भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कांफ्रेंस इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट-2026 की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट-2026 की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फ्रांस एआई एक्शन समिट में की गई थी। सम्मेलन का आयोजन 16 से 20 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

आर्मी डे पर ममता बनर्जी ने भारतीय सेना को किया सलाम

कोलकाता : आर्मी डे के अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय सेना के साहस, अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया है। गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों की देशभक्ति से भरी सेवाएं देश की एकता, संप्रभुता और सुरक्षा को मजबूत बनाए रखती हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय सेना के जवानों का अदम्य साहस और त्याग पूरे देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने देश की रक्षा में तैनात सभी सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके योगदान को सलाम किया। ममता बनर्जी के इस संदेश को आर्मी डे के मौके पर सेना के सम्मान और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव पर हमला करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

बाराबंकी : उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के कुर्सी थाना क्षेत्र में दो दिन पहले राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश सचिव अफसर अली पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाले पिता पत्र को कुर्सी पुलिस ने बीती रात गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस भी पुलिस ने बरामद किया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों पिता पुत्र को जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार बाराबंकी के ग्राम लोहराहार निवासी जुबेर पुत्र बाबू और उनके बेटे उबेद को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ने राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश सचिव अफसर अली को संपत्ति विवाद में गोली मारकर घायल कर दिया था। फायरिंग की घटना में दोनों वांछित थे। जिन्हें पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है ।पूछताछ के बाद उबैद से वारदात में इस्तेमाल किया गया तमंचा और कारतूस भी पुलिस ने बरामद किया है। हथियार बरामद होने के बाद दर्ज मुकदमे में आर्म एक्ट की धारा भी बढ़ा दी गई है। थाना प्रभारी कृष्णकांत सिंह ने बताया पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया न्यायालय के आदेश पर दोनों को जेल भेज दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि मामले में आगे के कानूनी कार्रवाई जारी है।

मेदिनीपुर में ऐतिहासिक तुलसी चारा उत्सव की धूम

मेदिनीपुर : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गुरुवार तड़के को पश्चिम और पूर्व मेदिनीपुर के सबंगझ्रपोटाशपुर इलाके में ऐतिहासिक तुलसीचारा मेले का गुरुवार को आगाज हो गया। इस ऐतिहासिक मेले को लेकर स्थानीय लोगों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिला। सुबह की पहली रोशनी के साथ ही तुलसी मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं, व्यापारियों और दर्शकों की भीड़ उमड़ने लगी। करीब 530 वर्षों से भी अधिक पुरानी परंपरा को अपने भीतर समेटे यह लोकमेला आज से शुरू होकर लगातार दस दिनों तक चलेगा। पोटाशपुर ब्लॉक के गोकुलपुर गांव में नदी किनारे स्थित प्राचीन तुलसी मंदिर को केंद्र बनाकर हर वर्ष पौष संक्रांति के दिन इस मेले का शुभारंभ होता है। मंदिर के नाम पर ही इस मेले को तुलसीचारा मेला कहा जाता है। लगभग 12 बीघा जमीन में फैला यह मेला अविभाजित मेदिनीपुर जिले की सामाजिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक पहचान बन चुका है। एक समय शत्रु आक्रमण और सुरक्षा कारणों से यह ऐतिहासिक मेला महज एक दिन तक सीमित रह गया था। लेकिन समय के साथ हालात बदले और प्रशासनिक पहल से स्थिति सामान्य हुई। नतीजतन, तुलसीचारा मेला फिर से अपने पुराने स्वरूप में लौट आया है। इस बार भी मेले का आयोजन पूरे 10 दिनों के लिए किया गया है, जिससे साल भर इंतजार करने वाले लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। तुलसीचारा मेले की सबसे बड़ी पहचान है तुलो (कपास) का पारंपरिक कारोबार। दशकों से दूर-दराज के व्यापारी यहां विभिन्न किस्मों की कपास बेचने आते हैं। इसके साथ-साथ ढोल, कांसार, खोल, करताल जैसे लोक और भावसंगीत में इस्तेमाल होने वाले वाद्ययंत्र, मिट्टी के बर्तन—हांडी, घड़ा, सिल-लोढ़ा, झाड़ू, कूड़ा—मेले की रौनक बढ़ा रहे हैं। सर्दियों की सब्जियां, ताजा मछली, सबंगझ्रपोटाशपुर की हस्तनिर्मित चटाइयां, बागमारी का शंखशिल्प, तरह-तरह की मिठाइयां और कदमा भी लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। यह मेला सिर्फ खरीदारी या मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि आदिवासी ग्रामीण लोगों की भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। जो लोग साल भर दूसरे राज्यों या जिलों में काम के सिलसिले में रहते हैं, वे इसी मेले के समय घर लौटते हैं। परिवार, रिश्तेदार और दोस्तों के साथ मिलन का यह खास अवसर बन जाता है।

पूरे तमिलनाडु में बिखरी पोंगल की खुशियां, हर्षोल्लास के साथ मना रहे त्योहार

चेन्नई : तमिलों का प्रमुख पर्व पोंगल पूरे तमिलनाडु में बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सभी घरों में उत्सव का माहौल देखने को मिल रहा है। पोंगल के लिए 14 जनवरी से 18 जनवरी तक स्कूल और कॉलेजों में 5 दिनों की छुट्टी घोषित की गई है। इस त्योहार के लिए राज्य के विभिन्न बड़े शहरों से हजारों की संख्या में कामगार अपने गांव- घर और परिजनों तक पहुंचे हैं। सूर्य का धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश ह्यथाई मास का जन्मह्ल कहलाता है। इसी पर्व को अन्य राज्यों में ह्यमकर संक्रांतिह्ल के रूप में सूर्य देव को धन्यवाद देने के त्योहार के तौर पर मनाया जाता है। इसी क्रम में आज पोंगल पर्व मनाया जा रहा है।

पोंगल पर्व 2026 : किसानों के पर्व और तमिलों के महान त्योहार के रूप में प्रसिद्ध पोंगल हर वर्ष तमिल माह ह्यथाईह्ल की पहली तारीख को मनाया जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार यह पर्व आमतौर पर 14 या 15 जनवरी को पड़ता है। वर्ष 2026 में पोंगल पर्व 15 जनवरी, गुरुवार को मनाया जा रहा है।

सोमा मुंडा हत्याकांड के विरोध में 17 जनवरी को आदिवासी संगठनों ने किया झारखंड बंद का आह्वान

संवाददाता

खूंटी/रांची : खूंटी जिले में आदिवासी आंदोलनकारी और पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में 17 जनवरी 2026 को संपूर्ण झारखंड बंद का आह्वान किया गया है। यह बंद भूमि लूट, खनन माफिया और आदिवासी समाज के खिलाफ हो रहे कथित सुनियोजित हमलों के विरोध में बुलाया गया है। बंद का आह्वान आदिवासी समन्वय समिति (खूंटी) सहित दर्जनों आदिवासी संगठनों ने संयुक्त रूप से किया है।

7 जनवरी 2026 को खूंटी जिले के अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुआदाहा के पास आदिवासी समाज के सम्मानित नेता, पड़हा राजा एदल सांगा पड़हा के उत्तराधिकारी और झारखंड आंदोलनकारी सोमा मुंडा की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बताया गया कि वे अपनी पत्नी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे, इसी दौरान हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

आदिवासी संगठनों का आरोप है कि सोमा मुंडा कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे, बल्कि वे 56 गांवों की पारंपरिक पड़हा व्यवस्था के प्रमुख थे और जीवन भर जल-जंगल-जमीन की रक्षा, संविधानिक अधिकारों और आदिवासी अस्मिता के लिए संघर्ष करते रहे। संगठनों का कहना है कि उनकी हत्या व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं, बल्कि भूमि माफिया, खनन दलालों और कॉरपोरेट हितों के खिलाफ आवाज उठाने वालों को चुप कराने की साजिश का हिस्सा है।

दावा किया गया है कि झारखंड राज्य गठन को 25 वर्ष पूरे होने के बावजूद आदिवासियों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। पेसा कानून, सीएनटी-एसपीटी एक्ट और अन्य सुरक्षात्मक कानूनों के कमजोर क्रियान्वयन के कारण भूमि घोटाले, जबरन कब्जा और फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन हड़पने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। खूंटी, रांची, गुमला, सिमडेगा समेत कई जिलों में आदिवासी कार्यकताओं और सामाजिक नेताओं की हत्याओं का भी उल्लेख किया गया है।

हत्याकांड के खिलाफ 8 जनवरी को बंद था खूंटीः सोमा मुंडा की हत्या के बाद 8 जनवरी 2026 को खूंटी जिला बंद रहा, जिसमें हजारों लोग सड़कों पर उतरे और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि, संगठनों का आरोप है कि अब तक न तो किसी की गिरफ्तारी हुई है और न ही पीड़ित परिवार को न्यायोचित मुआवजा मिला है। पुलिस जांच को लेकर भी असंतोष जताया गया है।

आदिवासी संगठनों ने 17 जनवरी को प्रस्तावित झारखंड बंद को शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और न्याय की मांग के लिए बताया है। इस दौरान राज्यभर में दुकानें, बाजार, स्कूल-कॉलेज, परिवहन और सरकारी-निजी कार्यालय बंद रखने की अपील की गई है।

निवर्तमान वार्ड पार्षद लीला प्रसाद के पौत्र के छठी आशीर्वाद कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग हुए शामिल

संवाददाता

चक्रधरपुरः नगर परिषद कार्यालय के समीप अवस्थित विवाह मंडप भवन में निवर्तमान वार्ड पार्षद लीला प्रसाद एवं रामचंद्र प्रसाद के पौत्र एवं वरीय अधिवक्ता कुमार विवेक उर्फ अप्पू के पुत्र के छठी आशीर्वाद कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए और नवजात शिशु को अपना आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर परिजनों के अलावा मुख्य रूप से चक्रधरपुर के लोकप्रिय विधायक सुखराम उरांव की पत्नी नवमी उरांव, पुत्र सन्नी उरांव कोल्हान के वरीय अधिवक्ता जयंत षाड़ंगी,दीपक मोदक , पूर्व वार्ड पार्षदगण , नामचीन हस्तियां एवं गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर नवजात शिशु को आशीर्वाद दिया। वहीं वरीय पत्रकार विनय मिश्रा सपत्नीक उपस्थित होकर नवजात शिशु को आशीर्वाद दिया और परिजनों को अपनी शुभकामनाएं दी।

नगर निकाय चुनाव 2026

सेवानिवृत्त शिक्षिका रोशनी टोप्पो ने अध्यक्ष पद पर रहते हुए किये कई कार्य

संवाददाता

चक्रधरपुर : नगर निकाय चुनाव संभवतः मार्च के प्रथम सप्ताह में होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है और इस,की तैयारी प्रसाशनिक के साथ- साथ संभावित प्रत्याशी भी इसकी तैयारी में जुट गए हैं। वर्षों तक चुनाव से वंचित रहने के पश्चात चक्रधरपुर में नगर परिषद अध्यक्ष पद महिला के लिए आरक्षित रहा जिसके फलस्वरूप महिला प्रत्याशियों की संख्या काफी रही थी । जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षिका रोशनी टोप्पो सभी प्रत्याशियों को पीछे छोड़ते हुए अध्यक्ष पद पर काबिज हुई। अध्यक्ष पद के चुनाव में जीत के साथ- साथ उनके बेहतर कार्य और विकास कार्य भी काफी सराहे गए। शिक्षक होने के साथ- साथ उन्हें व्यापक जन समर्थन मिला था और इस तरह रोशनी टोप्पो शिक्षक से नगर परिषद अध्यक्ष पद तक का सफर करने

वाली कई रिकॉर्ड भी बनाने में सफल रही थी। उनके कार्यकाल में विकास कार्य के साथ साथ नगर परिषद के प्रति लोगों के जन अपेक्षा पर उतारना काफी महत्वपूर्ण रहा था।

दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

दुमकाः जिले के रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत कोआम गांव में बुधवार को तिलका मांझी युवा क्लब, कोआम के तत्वावधान में दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद् के उपाध्यक्ष सुधीर कुमार मंडल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कोआम पंचायत मुखिया सपन देहरी, ग्राम प्रधान जितेन्द्र सोरेन, शिक्षक नायकी मुर्मू तथा जेएमएम पंचायत अध्यक्ष बुद्धिनाथ बेसरा मौजूद थे।

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में सराय एफसी एडल बेरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि जवारी टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष श्री मंडल ने विजेता टीम सराय एफसी एडल बेरा को 20,000 एवं उपविजेता टीम जवारी को 15,000 की पुरस्कार राशि प्रदान कर खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर तिलका मांझी युवा क्लब के अध्यक्ष विनोद सोरेन, उपाध्यक्ष नरेश मुर्मू, सचिव मैसी टुडू, कोषाध्यक्ष पटेल हेंब्रम सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में खेल के प्रति युवाओं का उत्साह और अधिक बढ़ा।

पतंगबाजी-सह-सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देवघरः जिले के जिला परिवहन पदाधिकारी शैलेश प्रियदर्शी के नेतृत्व में बुधवार को सड़क सुरक्षा माह 2026 के 14 वें दिन नंदन पहाड़ में पतंगबाजी-सह-सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमो के बारे में सजग कर जागरूकता प्रदान करना है। इस दौरान कार्यक्रम का शुरूआत कार्यक्रम में भाग लेने दूर से आए जिले के नवयुवक खिलाड़ी से सड़क सुरक्षा के आवश्यक नियमो के बारे में सभी से अपना-अपना विचार साझा करने को कहा गया। इस दौरान खिलाडियों के द्वारा हेलमेट की अनिवार्यता, सीट बेल्ट का महत्व, खतरनाक ढंग से एवं तेज गति से वाहन चलाने का नुकसान, विचलित ड्राईविंग से खतरा, इंडिकेटर का सही प्रयोग, गलत दिशा में ड्राइविंग करने का जानलेवा परिणाम,नशे की हालत में वाहन चलाने का गंभीर परिणाम, वाहन चलाते समय फोन का उपयोग का हानि इत्यादि के बारे में विचार साझा कि गई, जो कि सड़क दुर्घटना होने का प्रमुख कारण बताया गया, साथ ही सभी खिलारियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिमेवारी निभाने का शपथ लिया एवं आस-पास के लोगो को जागरूक करने का आश्वाशन दिया। इसके उपरांत खिलाडियों ने सड़क सुरक्षा संबंधी टी-शर्ट एवं टोपी पहन कर सड़क सुरक्षा पतंग उत्सव को धुम-धाम से मना कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस दौरान कार्यक्रम में मोटरयान निरीक्षक सुभाष तिग्गा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक शिव कुमार राय,सड़क अभियंत्रिक विश्लेषक प्रविंद कुमार, आई० टी० सहायक अजय कुमार, राहुल कुमार एवं अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

मनरेगा बचाओ संग्रामः गांव से लेकर जिला तक आंदोलन करेगी कांग्रेस

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत राज्यभर में आंदोलनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार मनरेगा से जुड़े मुद्दों को लेकर गांव से जिला स्तर तक संगठित अभियान चलाया जाएगा। निर्देश में कहा गया है कि मनरेगा के तहत मजदूरों को 125 दिन का काम, समय पर मजदूरी भुगतान और उनके अधिकार सुनिश्चित किए जाने की मांग को प्रमुखता से उठाया जाए। इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ता गांव स्तर पर नारे, सभाएं और जनसंपर्क के माध्यम से आम लोगों को जागरूक करेंगे। अभियान के दौरान मनरेगा में व्याप्त अनियमितताओं, भुगतान में देरी और काम की कमी जैसे मुद्दों को उजागर किया जाएगा। पत्र में काम मांगो अभियान से संबंधित व्यावहारिक दिशा निर्देश भी दिए गए हैं। इसके तहत कम से कम दस ऐसे मजदूरों की सूची बनाने को कहा गया है जिनके पास जॉब कार्ड है और जिन्हें काम की आवश्यकता है। संबंधित पंचायत कार्यालय में जाकर फॉर्म छह भरवाने, रसीद लेने और उसकी प्रति सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मकर संक्रांति पर बाबा बैद्यनाथ में उमड़ा जनसैलाब

कड़ाके की ठंड के बावजूद 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' से गूंजा मंदिर

संवाददाता

देवघरः मकर संक्रांति के पावन अवसर पर देवघर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक नगरी देवघर में लोगों की बड़ी भीड़ उमड़ी। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम में बुधवार को अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कड़ाके की ठंड के बावजूद भक्त 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ मंदिर परिसर में दर्शन के लिए कतारबद्ध नजर आए।

मकर संक्रांति को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। ब्रह्म मुहूर्त में कांचा जल पूजा के साथ पूजा-अर्चना की शुरूआत हुई। इसके बाद सरदार पंडा गुलाब नंद ओझा द्वारा सरकारी पूजा विधि-विधान के साथ संपन्न कराई गई। इस अवसर पर बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं को घंटों इंतजार करना पड़ा। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, मकर संक्रांति पर बाबा बैद्यनाथ को तिल और गुड़ अर्पित किया गया। इसके बाद बाबा को तिल, गुड़ और खिचड़ी का विशेष भोग लगाया गया। मान्यता है कि बाबा को तिल अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालु तिल या तिल से बनी वस्तुओं का सेवन करते हैं। इसी दिन से माघ माह की शुरूआत के साथ पूरे एक महीने तक बाबा को तिल, दही और खिचड़ी का विशेष भोग लगाने की परंपरा निभाई जाती है, जिसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है।

मंदिर के वरिष्ठ पंडा ने बताया कि मकर संक्रांति केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सूर्य आराधना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। सूर्य के उत्तरायण होने के साथ ही विवाह, जनेऊ, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त प्रारंभ हो जाता है। उन्होंने बताया कि बाबा बैद्यनाथ को खिचड़ी और तिल के लड्डू का भोग पूरे माघ माह तक अर्पित किया जाएगा और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मंदिर परिसर और आसपास दंडाधिकारी, पुलिस अधिकारी और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। व्यवस्था का जायजा लेने उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा स्वयं बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बाबा बासुकिनाथ को लगा तिल के लड्डू,दही -चूड़ा व मिष्टान्न का भोग

बासुकिनाथः सनातन धर्म का पावन पर्व मकर संक्रांति बुधवार एकादशी तिथि को विश्वप्रसिद्ध शिवनगरी बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में नेम निष्ठा से प्राचीन परंपरा के अनुसार दही,चूड़ा,मिठाई और तिल से बने लड्डू का भोग लगाया गया । बासुकिनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी बाबा सदाशिव पंडा ने मकर संक्रांति के दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाबा बासुकिनाथ महादेव को विधि विधान से षोडशोपचार पूजा अर्चना के बाद तिल से बने लड्डू,दही,चूड़ा एवं गुड एवं विभिन्न प्रकार की मिठाइयों का भोग लगाया । इस पावन मौके पर पंडित राजनंदन झा उर्फ राजू झा(जरमुंडी) विभूति भूषण तिवारी,मनोज कुमार पंडा(अध्यक्ष) सहित मंदिर सुरक्षा गार्ड कपिलदेव पंडा,गौतम राव,नंदकिशोर ठाकुर एवं दर्जनों पंडा पुरोहित एवं मंदिर के कर्मचारी मौजूद थे ।